उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 29 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 17 अगस्त-2026

बी.पी. साहू (संपादक)

अंदर के पृष्ठ पर

डीएम से शिकायत, महापौर प्रमिला पांडे को भी सौंपा ज्ञापन निर्माण रोकने की मांग 4

पुलिस आयुक्त कार्यालय से हर घर तिरंगा यात्रा 2026 का किया गया शुभारंभ 8

अम्बेडकरनगर में आईपीएसअधिकारी की मां की हत्या, घर में हुई लूटपाट

मुंह में कपड़ा ठूंसकर 94 वर्षीय वृद्धा की हत्या, आभूषण गायब; आईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

पुलिस के आला अधिकारियों ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

फोरेंसिक और एसओजी टीम ने जुटाए साक्ष्य

» बीपीएस न्यूज

अंबेडकरनगर,। मालीपुर थाना क्षेत्र के धमरूवा ग्राम पंचायत के मजरे रूढ़ा में रविवार को आईपीएस अधिकारी आशुतोष मिश्रा की 94 वर्षीय मां इंद्रा देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। वृद्धा का शव घर के अंदर बेड पर पड़ा मिला। उनके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और शरीर पर चोट व खरोंच के निशान पाए गए। घर से सोने की चेन, कंगन, कुंडल, अंगूठी समेत अन्य आभूषण गायब मिलने से प्रथमदृष्ट्या लूट के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार इंद्रा देवी घर में अकेली रहती थीं। स्वतंत्रता दिवस पर उनके पुत्र आईपीएस आशुतोष मिश्रा गांव पहुंचे थे। उन्होंने अपनी मां के साथ संचालित विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और शाम को लखनऊ लौट गए थे।रविवार सुबह करीब नौ बजे घर में काम करने वाली प्यारी देवी वहां पहुंची। मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर वह अंदर गई तो इंद्रा देवी तख्त पर नहीं मिलीं। तलाश करने पर वह हाल में लगे बेड पर अचेत अवस्था में पड़ी मिलीं। उनके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। काफी प्रयास के बावजूद शरीर में कोई हरकत नहीं होने पर प्यारी देवी ने पड़ोसी राम नायक को सूचना दी। राम नायक मौके पर पहुंचे और वृद्धा के मुंह से कपड़ा निकाला। इसके बाद आसपास के लोगों ने घटना की सूचना आईपीएस अधिकारी आशुतोष मिश्रा को दी।दोपहर करीब एक बजे आशुतोष मिश्रा गांव पहुंचे। मां के शव को देखने के बाद उन्होंने शरीर पर सामान्य तौर पर पहने जाने वाले आभूषणों की जानकारी ली। इस दौरान सोने की चेन, कंगन, कुंडल, अंगूठी सहित अन्य आभूषण गायब मिले। उनके हाथ में इंजेक्शन लगाए जाने जैसा निशान तथा शरीर पर खरोंच के निशान भी पाए गए। परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने शव का पोस्टमार्टम कराने का निर्णय लिया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मालीपुर थानाध्यक्ष शशांक शुक्ला, क्षेत्राधिकारी जलालपुर अनूप कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी तेजवीर सिंह और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह मौके पर पहुंचीं। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की। शाम करीब छह बजे अयोध्या जोन के आईजी सोमेन वर्मा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घर के अंदर के साथ ही छत और आसपास के स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को घटना का जल्द से जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए।घटना की गंभीरता को देखते हुए एसओजी, सर्विलांस और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल की जांच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्ध लोगों की गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह मामले की निगरानी कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने शीघ्र घटना का खुलासा करने का दावा किया है।

सोनिया के बचाव में उतरीं टीएमसी और डीएमके

नई दिल्ली।वंदे मातरम को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सोनिया गांधी पर राष्ट्रीय गीत का अनादर करने का आरोप लगाया है। इस मुद्दे पर अब राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके एक सुर में सोनिया गांधी के बचाव में उतर आई हैं। दूसरी ओर, सीपीआई-एम ने कांग्रेस से इस मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।कांग्रेस ने भाजपा के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया है। पार्टी सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा अपनी घटती लोकप्रियता से ध्यान भटकाने के लिए यह बनावटी विवाद खड़ा कर रही है। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान सोनिया गांधी ने तो केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की तारीफ की थी, क्योंकि वह वंदे मातरम पूरी निष्ठा से गा रहे थे। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने स्थिति साफ करते हुए कहा कि सोनिया गांधी गीत रोकने की कोशिश नहीं कर रही थीं। उन्होंने बस मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मंगवाने का इशारा किया था, क्योंकि खड़गे काफी देर से खड़े थे।

सरकारी स्कूल का जायजा लेने गए युवा के परिवार पर हमला, पिता की पिटाई के बाद मौत

सीजेपी ने की तत्काल गिरफ्तारी की मांग

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पश्चिम बंगाल में संगठन के एक स्वयंसेवक शेख अब्दुल हफीज के पिता जनाब मफीक की पिटाई के बाद मौत के लिए जिम्मेदार लोगों की रविवार को तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। सीजेपी के अनुसार, 25 वर्षीय हफीज सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत एक सरकारी स्कूल गए थे, जिसकी वजह से उनके परिवार के सदस्यों पर कथित रूप से हमला किया गया था।सीजेपी ने एक बयान में कहा कि मफीक की शनिवार को मौत हो गई और कथित रूप से किये गये हमले में उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। सीजेपी ने बताया कि यह घटना बांकुड़ा जिले के करिसुंडा इलाके में हुई। हफीज ने 13 अगस्त को अपने गांव के स्थानीय सरकारी स्कूल में देशव्यापी स्कूल ठीक करो अभियान के तहत हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने स्कूल के बुनियादी ढांचे की स्थिति को देखा

था। सीजेपी ने आरोप लगाया कि स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के रूप में पहचाने गए हथियारबंद लोग उसी शाम जबरन हफीज के घर में घुस गए।बयान के अनुसार, अस्पताल से बनाए गए एक वीडियो में हफीज ने आरोप लगाया कि एक स्कूल शिक्षक ने राजनीतिक कार्यकर्ताओं को उनके स्कूल के निरीक्षण के बारे में जानकारी दी थी, जिसके बाद यह हमला हुआ। सीजेपी ने कहा कि कथित हमलावरों ने हफीज से एक वीडियो रिकॉर्ड कर स्कूल की स्थिति उजागर करने के लिए माफी मांगने और यह कहने को कहा कि उसने ऐसा बाहरी प्रभाव में आकर किया था। बयान में बताया गया, जब हफीज ने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो आरोप है कि उन लोगों ने उनके परिवार पर हमला कर दिया।बयान के अनुसार, हफीज की गर्दन में गंभीर चोट आई, जबकि उनके पिता के सिर में किसी भारी वस्तु से गंभीर चोट लगी। सीजेपी ने कहा कि हमले के बाद हफीज ने अस्पताल से एक वीडियो रिकॉर्ड किया जिसमें उन्होंने अपनी चोटों को दिखाया। सीजेपी ने बताया कि हफीज के पिता ने बाद में 15 अगस्त को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सीजेपी के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने कहा, हमें न तो चुप कराया जा सकता है और न ही डराया जा सकता है। हम बेहतर विद्यालयों के लिए लड़ते रहेंगे। सीजेपी हफीज और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। हम उनके पिता की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हैं। हमारी टीम पश्चिम बंगाल जाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि अब्दुल और उनके परिवार को न्याय मिले।

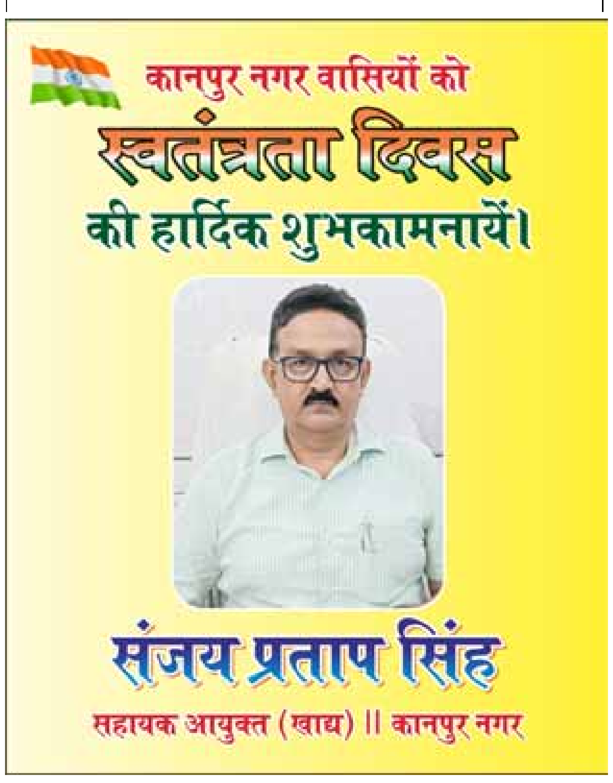

अपनी बात....

संपादकीय ....

बीमारियों की गुलामी से मुक्त होने का वक्त

देश की आजादी का संबंध जितना व्यवस्था के स्वास्थ्य से है, उतना ही उसके नागरिकों के स्वस्थ होने से भी। जैसे स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा निवास करती है, ऐसे ही स्वस्थ नागरिकों पर देश का स्वास्थ्य निर्भर करता है। हर साल देश में सरकारों को अरबों रुपये लोगों के रोगों के उपचार हेतु खर्च करने पड़ते हैं। इस धन को विकास कार्यों पर भी लगाया जा सकता था। यूं तो व्यक्ति किसी महामारी, आनुवंशिक या किसी जेनेटिक रोग का शिकार हो सकता है, लेकिन आम तौर व्यक्ति स्वस्थ ही जन्म लेता है। लेकिन कहीं न कहीं सेहत के प्रति उदासीनता, आलस्य व प्रमाद के चलते व्यक्ति अस्वस्थ होता है। दरअसल, जीवन शैली की जटिलताओं के चलते ही हमारे रोगों का दायर बढ़ता जा रहा है। चिंता की बात यह है कि आज देश मधुमेह व हाइपरटेंशन की राजधानी बनता जा रहा है। सवाल यह है कि तमाम चिकित्सा अनुसंधान, शोध व नई-नई तकनीकों के ईजाद होने के बाद रोगों का सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है? आज देश में एम्स व पीजीआईएमआर जैसे अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कालेजों और पांच सितारा अस्पतालों के बावजूद रोगियों का आंकड़ा दिन-दूनी रात चौगुनी गति से क्यों बढ़ता जा रहा है? लगातार बढ़ती मेडिकल स्टोरों की संख्या के बावजूद रोगियों की लाइन लंबी क्यों होती जा रही है? दरअसल, हमें जो सेहत बनाने की आजादी मिली है, हम उसका अतिक्रमण करते हैं। हमारे खानपान की अराजकता भी रोगों का कारण बनती है। हमारी नकारात्मक सोच हमारी बीमारी का कारण बनती है। हमारे असमय खान-पान की निरंकुश आजादी रोगों का कारण बनती है। हमारा विलासिता का जीवन रोगों को पालता है। भूख से ज्यादा खाना रोगों को जन्म देता है। हमारा असमय खाना रोगवर्धक है। नई पीढ़ी द्वारा हमें विरासत में मिली खान-पान की कला की अनदेखी, हमें बीमारियों की तरफ धकेलती है। परंपरागत भोजन की उपेक्षा हमें रुग्ण बनाती है।

हमने खानपान-जीवन शैली में पश्चिम की नकल तो खूब की है, लेकिन फिजिकल फिटनेस के उनके जुनून को अनदेखा कर दिया। हम लगातार शरीर के संकेतों की अनदेखी करके उसे रोगों की गुलामी की तरफ धकेल देते हैं। युवा अवस्था में तो हमारा शरीर खानपान की अराजकता झेल लेता है, लेकिन जैसे व्यक्ति पचास की उम्र पार करता है, उसकी डाइनिंग टेबल पर मेडिकल स्टोर खुल जाता है। बी.पी. की दवाई, शूगर की दवाई, जोड़ों के दर्द की दवाई, और तो और पाचन दुरुस्त करने की दवाइयां। चंडीगढ़ जैसे शहर में, जो अपने खूबसूरत पार्कों के लिये जाना जाता है, गिनती के लोग ही सुबह सैर करते नजर आते हैं। योग की कक्षाओं में गिने-चुने चेहरे दिखते हैं। लोग सुबह सैर व योग के समय नींद की गुलामी कर रहे होते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी लोग देर रात आफिस व काम-धंधों से लौटते हैं। पहले देर रात तक टीवी की गुलामी होती थी और अब देर रात तक मोबाइल की गुलामी करते हैं। मोबाइल की स्क्रीन को स्क्रॉल करते-करते रात हो जाती है तो फिर सुबह नींद कहां खुलेगी? प्राकृतिक चिकित्सा कहती है कि हम सूरज को उठायें, न कि सूरज हमें उठाये। भारतीय दर्शन में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की परंपरा है। इसका मतलब चार बजे उठना नहीं है। मतलब, सूरज उगने से एक-डेढ़ घंटे पहले हम उठ जाएं। दरअसल, इस समय शरीर में वात की सक्रियता से अपशिष्ट पदार्थ स्वतः ही बाहर निकलने को तैयार होते हैं। व्यक्ति को कब्ज नहीं होती। इस समय वायु शुद्ध होती है। यह आध्यात्मिक साधना का भी समय होता है। दिनभर हमारे शरीर में ताजगी बनाये रखता है।

दरअसल, हमें सूर्य के चक्र के साथ उठना और भोजन करना चाहिए। इसी हिसाब से हमारी जठराग्नि सक्रिय होती है। निस्संदेह, आजादी के बाद हर किसी के जीवन में समृद्धि आई है, हमारा खान-पान समृद्ध हुआ, लेकिन उसी अनुपात में शारीरिक श्रम कम हुआ है। खेत में काम करने वाले किसान व श्रमिक को कोई टहलने व व्यायाम करने को नहीं कहता, क्योंकि उनकी दिनचर्या में श्रम है। सेहत की आजादी के लिये हमें उदासीनता-लापरवाही जैसी गुलामी की बेड़ियां तोड़नी ही पड़ेंगी।

लगातार बढ़ती मेडिकल स्टोरों की संख्या के बावजूद रोगियों की लाइन लंबी क्यों होती जा रही है? दरअसल, हमें जो सेहत बनाने की आजादी मिली है, हम उसका अतिक्रमण करते हैं। हमारे खानपान की अराजकता भी रोगों का कारण बनती है। हमारी नकारात्मक सोच हमारी बीमारी का कारण बनती है। हमारे असमय खान-पान की निरंकुश आजादी रोगों का कारण बनती है। हमारा विलासिता का जीवन रोगों को पालता है। भूख से ज्यादा खाना रोगों को जन्म देता है। हमारा असमय खाना रोगवर्धक है। नई पीढ़ी द्वारा हमें विरासत में मिली खान-पान की कला की अनदेखी, हमें बीमारियों की तरफ धकेलती है। परंपरागत भोजन की उपेक्षा हमें रुग्ण बनाती है।

स्वतंत्रता दिवसः जंतर-मंतर के चौराहे पर लोकतंत्र

डा0 विमल सचदेवा

देश की आजादी की असली रक्षा सीमा पर खड़ा सैनिक ही नहीं करता। वह ईमानदार शिक्षक, जिम्मेदार डॉक्टर, निष्पक्ष पत्रकार, कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी, मेहनती मजदूर और संवेदनशील नागरिक भी करता है। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि अपनी आजादी को भोगते हुए किसी दूसरे की आजादी न छीनें। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और स्वतंत्र भारत के प्रति हमारा वास्तविक राष्ट्रधर्म भी होगा।

आज देश का अवाम नये जज्बे और उमंग के साथ 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। आज़ादी के 79 वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह अवसर केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि ठहरकर यह पूछने का भी है कि जिन पुरखों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर हमें आज़ादी का उपहार दिया था, हमने उस विरासत को कितना संभाला है। भीतर झांकें तो कहीं–कहीं यह अहसास होता है कि हमने स्वतंत्रता के अर्थ को अधिकारों तक सीमित कर दिया है और कर्तव्यों को सुविधानुसार भुला दिया है। कोई लोकतंत्र तभी कायदे से फलता–फूलता है जब उस देश के नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों का सामंजस्य रखते हैं।

यह एक हकीकत है कि आजादी की लड़ाई की कीमत वह पीढ़ी ही जानती थी जिसने गुलामी की बेड़ियां महसूस की थीं। हजारों अनाम शहीदों ने अपने प्राण दिए। आजाद हिंद फौज के सेनानियों ने देश से दूर रहकर ब्रिटिश सत्ता से लोहा लिया। कितने परिवार उजड़े, कितनों ने यातनाएं सहीं और कितनों की शहादत इतिहास के पन्नों में भी दर्ज नहीं हो सकी। इसलिए 15 अगस्त महज एक छुट्टी का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। इस दिन हम स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग व बलिदान को गहरे तक महसूस करें। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री देश को संबोधित करेंगे। सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख होगा, नीतियों और योजनाओं की चर्चा होगी और देश की चुनौतियों पर भी बात होगी। इस बार का विमर्श 'वंदे मातरम्‌' के 150 वर्ष और 'विकसित भारत के लिए युवा शक्ति @2047' जैसे संकल्पों के इर्द-गिर्द रहेगा। लेकिन युवा शक्ति की बात करते हुए हमें जंतर-मंतर के उस चौराहे को भी याद करना चाहिए, जहां हाल में छात्रों ने अपने भविष्य और व्यवस्था की पारदर्शिता को लेकर आवाज उठाई। यह भी महसूस करना चाहिए कि आखिरकार उन्हें क्यों अपनी बात कहने के लिये जंतर-मंतर पर आंदोलन करने के लिये जाना पड़ा।वास्तव में युवा ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ऊर्जा होते हैं। यदि छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे तो उनकी भावनाओं को गहरे तक अहसास करने की जरूरत है। जंतर-मंतर पर छात्रों ने दिखाया कि असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी ताकत है। उन्होंने अपनी बेचैनी को आंदोलन में बदला, लेकिन बड़े पैमाने पर अनुशासन और शांतिपूर्ण तरीके से। प्रश्नपत्रों की कथित लीक, परीक्षाओं में अनियमितता और भर्ती प्रक्रियाओं पर उठते सवाल केवल छात्रों के भविष्य का प्रश्न नहीं हैं; ये उस व्यवस्था की विश्वसनीयता का सवाल हैं, जो देश की अगली पीढ़ी की नियति तय करती है। ऐसे में छात्रों के आक्रोश की तार्किकता को समझने की भी जरूरत है।सरकार ने पेपर लीक रोकने के लिए कानून कड़े किए हैं, सजा और जुर्माने बढ़ाए हैं तथा परीक्षा व्यवस्था की सुरक्षा मजबूत करने के कदम उठाए हैं। लेकिन किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी सुरक्षा दीवार कानून नहीं, व्यवस्था से जुड़े लोगों का चरित्र भी होता है। जब व्यवस्था चलाने वालों का जमीर बिक जाए तो तकनीक, निगरानी और सुरक्षा तंत्र भी बेअसर हो सकते हैं। सही मायने में दोष केवल व्यवस्था का नहीं है। एक नागरिक व अभिभावक के रूप में हम अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। हकीकत में देखा जाए तो लीक हुआ प्रश्नपत्र खरीदने वाले अभिभावक और उसका अनुचित लाभ उठाने वाला विद्यार्थी भी उस नैतिक पतन के हिस्सेदार हैं।

मौजूदा समय के परिप्रेक्ष्य में देखें तो स्वतंत्रता का अर्थ मनमानी करने की छूट नहीं है। आजादी की मर्यादा हमें निजी जीवन में भी रखनी चाहिए। हम आजादी के मामले में अराजक व्यवहार नहीं कर सकते। देश के सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकना, चलती गाड़ियों से कचरा बाहर उछालना, नदियों में गंदगी और औद्योगिक अपशिष्ट बहाना–इसे आजादी नहीं कहा जा सकता। अरबों रुपये खर्च करने के बावजूद यदि गंगा और दूसरी नदियां प्रदूषण से मुक्त नहीं हो पा रहीं तो हमें सरकार से सवाल पूछने के साथ अपने आचरण पर भी सवाल करना होगा। आखिर नदी को गंदा कौन कर रहा है? अरबों रुपये बहाने के बाद भी गंगा मैली क्यों है?

वहीं दूसरी ओर यही बात शोर के अधिकार पर भी लागू होती है। बच्चों की परीक्षाओं, अस्पतालों में मरीजों के उपचार और बुजुर्गों या श्रमिकों की नींद के बीच देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाना अपनी आजादी का इस्तेमाल नहीं, दूसरे की आजादी का अतिक्रमण है। किसी एक व्यक्ति की आजादी वहीं तक है जहां से दूसरे व्यक्ति का अधिकार शुरू होता है। कहने का मतलब यह है कि हमारी आजादी निरंकुश नहीं हो सकती। हमें दूसरों की आजादी का भी सम्मान करना सीखना चाहिए।वहीं दूसरी ओर देश में मिलावटखोरों, नकली दूध-घी-पनीर बेचने वालों, खाद्य पदार्थों को जहरीले रसायनों से पकाने वालों और मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों को भी आजादी के संदर्भ में यही बात समझनी होगी। चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे में यदि कोई लालच के आगे मरीज की जिंदगी को गौण समझता है, तो वह केवल कानून का ही उल्लंघन नहीं, बल्कि वह मानवता के साथ विश्वासघात भी करता है। कमोवेश इसी तरह सार्वजनिक परिवहन, विमानन सेवाओं या किसी भी जिम्मेदारी वाले पेशे में लापरवाही कई जिंदगियों को संकट में डाल सकती है। ऐसे में उसे मनमाने व्यवहार करने की आजादी नहीं दी जा सकती है।

यह दुखद ही है कि रोज अखबारों में हत्या, हिंसा और क्रूरता की खबरें पढ़ने को मिलती हैं। हम देखते हैं कि अस्पतालों में एक डॉक्टर किसी की जिंदगी बचाने में घंटों जुटा रहता है। वहीं दूसरी ओर कोई अपराधी क्षण भर में किसी की जान लेने पर उतारू हो जाता है। आखिर हमारी संवेदनशीलता कहां चली गई? हम कैसे किसी व्यक्ति के जीने की आजादी को छीन सकते हैं? आजादी हमें केवल अपने अधिकारों के उपयोग करने का ही अधिकार नहीं देती; वह दूसरों के अधिकारों की रक्षा करने का दायित्व भी सौंपती है। लोकतंत्र संसद, विधानसभाओं और अदालतों तक सीमित नहीं है। उसका असली चेहरा नागरिक के आचरण में दिखाई देता है। उसी के आदर्श आचरण से लोकतंत्र समृद्ध होता है।

इस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसलिए चारों लोकतांत्रिक स्तंभों–विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया–के साथ स्वयं नागरिक समाज की जवाबदेही की भी समीक्षा होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि जंतर-मंतर का चौराहा हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में आवाज उठाना बेहद जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि आवाज के पीछे गहरी जिम्मेदारी का भाव हो।

सही मायने में देश की आजादी की असली रक्षा सीमा पर खड़ा सैनिक ही नहीं करता। वह ईमानदार शिक्षक, जिम्मेदार डॉक्टर, निष्पक्ष पत्रकार, कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी, मेहनती मजदूर और संवेदनशील नागरिक भी करता है। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि अपनी आजादी को भोगते हुए किसी दूसरे की आजादी न छीनें। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और स्वतंत्र भारत के प्रति हमारा वास्तविक राष्ट्रधर्म भी होगा।

पत्रकार : इतिहास के गुमनाम सिपाही!

लेखक

सीएम जैन

जिसकी तस्वीर कभी छपी नहीं, वही आंदोलन की पहली आवाज़ था, आंदोलन जीतने वाले अक्सर मंच पर नहीं, कैमरे के पीछे खड़े होते हैं
आंदोलन इतिहास बनाते हैं, पत्रकार उसकी पहली आवाज़ दर्ज करते हैं!, आंदोलन खत्म हो गया, नेता याद रह गए—पत्रकार फिर अगले संघर्ष में निकल पड़े!इतिहास की एक अजीब आदत है। वह हमेशा विजेताओं के नाम याद रखता है, लेकिन विजय की नींव रखने वालों को अक्सर भूल जाता है। वह मंच पर खड़े नेताओं की तस्वीरें छापता है, नारों को याद रखता है, भाषणों को उद्धृत करता है, समझौतों की तारीखें लिखता है और इस्तीफों को लोकतंत्र की जीत घोषित कर देता है। लेकिन इतिहास की किताबों में शायद ही कभी उस आदमी का नाम मिलता है जिसने सबसे पहले अपनी जेब से कलम निकाली, मोबाइल निकाला, कैमरा चालू किया और देश को बताया—卐यहाँ कुछ ऐसा हो रहा है जिसे पूरे देश को देखना चाहिए।卐

जिसकी तस्वीर कभी छपी नहीं, वही आंदोलन की पहली आवाज़ था।लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन की पहली आवाज़ मंच से नहीं उठती, वह सबसे पहले किसी पत्रकार के कैमरे में कैद होती है। वही पहली तस्वीर होती है, वही पहला वीडियो होता है, वही पहली रिपोर्ट होती है। जब तक कोई देखेगा नहीं, तब तक कोई जानेगा नहीं; और जब तक कोई जानेगा नहीं, तब तक कोई जुड़ने भी नहीं आएगा। इसलिए किसी भी जनआंदोलन की पहली साँस सूचना होती है, और उस सूचना का पहला वाहक पत्रकार होता है।

विडंबना यह है कि जैसे-जैसे आंदोलन बड़ा होता जाता है, पत्रकार छोटा होता जाता है

शुरुआत में वही होता है। धूप में, बारिश में, लाठीचार्ज के बीच, आँसू गैस के बीच, इंटरनेट बंद होने के बीच, अनिश्चितता के बीच। उसके पास न बड़ी ओबी वैन होती है, न महँगे कैमरे, न सुरक्षा घेरा, न कानूनी टीम। उसके

पास केवल एक कैमरा, एक मोबाइल, एक इंटरनेट कनेक्शन और सच दिखाने का साहस होता है। लेकिन जैसे ही आंदोलन राष्ट्रीय चर्चा बनता है, बड़े कैमरे पहुँच जाते हैं, बड़े स्टूडियो सज जाते हैं, बड़े चेहरे उतर आते हैं और वही आंदोलन, जिसे कल तक कोई सुनना नहीं चाहता था, अचानक प्राइम टाइम की सबसे बड़ी बहस बन जाता है।

यह किसी एक आंदोलन की कहानी नहीं है। यह भारत के लगभग हर बड़े जनआंदोलन का एक परिचित दृश्य हैहाल में जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन ने भी एक बार फिर यही प्रश्न हमारे सामने रख दिया। आंदोलन के शुरुआती दिनों में अनेक स्वतंत्र पत्रकार, स्थानीय रिपोर्टर, छोटे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और व्यक्तिगत पत्रकार लगातार वहाँ मौजूद रहे। उन्होंने लाइव प्रसारण किए, वीडियो बनाए, छात्रों की बातें सुनीं, उनकी माँगों को देश तक पहुँचाया और उस संघर्ष को दृश्यता दी। धीरे-धीरे जब आंदोलन राष्ट्रीय चर्चा का विषय बनने लगा, तब बड़े मीडिया संस्थानों की उपस्थिति भी बढ़ी। यह किसी एक संस्था की आलोचना नहीं, बल्कि मीडिया की कार्यप्रणाली पर विचार का विषय है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में एक प्रश्न बार-बार सामने आता है–क्या हमने उन लोगों को याद रखा जिन्होंने शुरुआत में सबसे अधिक जोखिम उठाया था?

आंदोलन की सफलता का श्रेय अक्सर मंच पर दिखाई देने वालों को मिलता है लेकिन मंच बनने से पहले जो लोग मिट्टी बराबर कर रहे थे, उनके नाम कौन लिखता है?

यहाँ एक और गहरी बात समझनी होगी। हम बार-बार ÷मीडिया÷ नहीं, ÷पत्रकार÷ शब्द का प्रयोग कर रहे हैं। क्योंकि मीडिया एक कंपनी हो सकती है। एक ब्रांड हो सकता है। एक व्यवसाय हो सकता है। लेकिन पत्रकार एक व्यक्ति होता है। वही उस कंपनी की आत्मा है। कलम-कैमरा कंपनी का हो सकता है, लेकिन उसे सच की दिशा में घुमाने वाला हाथ पत्रकार का होता है।

इतिहास में जितने बड़े आंदोलन हुए हैं, उनमें किसी न किसी पत्रकार ने अपनी भूमिका निभाई है। किसी ने पहली तस्वीर भेजी, किसी ने पहली रिपोर्ट लिखी, किसी ने पहली लाइव स्ट्रीम की, किसी ने पहली बार सत्ता से वह प्रश्न पूछा जिसे जनता पूछना चाहती थी। लेकिन आंदोलन समाप्त होने के बाद वही पत्रकार अगले शहर, अगले गाँव, अगले विरोध और अगले अन्याय की ओर निकल जाता है। उसे मंच नहीं चाहिए। उसे माला नहीं चाहिए। उसे नायक कहलाने की इच्छा भी नहीं होती। शायद इसलिए समाज उसे नायक मानना भी भूल जाता है।यही पत्रकारिता की सबसे बड़ी त्रासदी है। जो दूसरों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की क्षमता रखता है, वह स्वयं अक्सर गुमनाम रह जाता है। नेता जनता को संबोधित करता है। पत्रकार पूरे देश को उस नेता तक पहुँचाता है। नेता भाषण देता है। पत्रकार उसे इतिहास का हिस्सा बनाता है। नेता आंदोलन का चेहरा होता है। पत्रकार आंदोलन की आँखें होता है।लेकिन जब तस्वीर छपती है, तो कैमरे के पीछे खड़ा आदमी उसमें दिखाई नहीं देता। क्या यह केवल संयोग है? या हमने लोकतंत्र में श्रेय बाँटने का तरीका ही ऐसा बना दिया है कि जो सबसे पहले पहुँचता है, वही सबसे पहले भुला दिया जाता है?

आज यदि किसी आंदोलन के सफल होने के बाद उसके पोस्टर, उसके नायक और उसके चेहरे याद रखे जाते हैं, तो क्या उन पत्रकारों को भी याद किया जाता है जिन्होंने बिना किसी राजनीतिक पहचान, बिना किसी सुरक्षा और बिना किसी संसाधन के उसकी आवाज़ देश तक पहुँचाई? क्या किसी आंदोलन के मंच से कभी उन गुमनाम पत्रकारों का नाम लिया जाता है? क्या किसी विजय सभा में उनके लिए भी धन्यवाद का एक वाक्य बचता है? शायद बहुत कम।

और यही कारण है कि स्वतंत्र पत्रकारिता लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होने के बावजूद सबसे कम सम्मानित संस्थाओं में से एक बनती जा रही है।

यह लेख किसी कॉरपोरेट मीडिया के विरोध में नहीं है। बड़े मीडिया संस्थानों ने भी अनेक अवसरों पर महत्वपूर्ण खोजी रिपोर्टें की हैं और बड़े जनहित के मुद्दे उठाए हैं। लेकिन यह प्रश्न अवश्य है कि क्या हमारे समाज ने उस स्वतंत्र पत्रकार का महत्व समझा है जो किसी ब्रांड के सहारे नहीं, अपने नाम और अपने जोखिम पर सच दिखाता है?

आज जब पत्रकारों पर मुकदमे दर्ज होते हैं, जब उन्हें धमकियाँ मिलती हैं, जब आर्थिक संकट उन्हें पत्रकारिता छोड़ने पर मजबूर करता है, तब सबसे पहले वही समाज चुप हो जाता है जिसके लिए वह पत्रकार वर्षों तक लड़ता रहा था।

लोकतंत्र केवल संसद से नहीं चलता। वह उन लोगों से भी चलता है जो जनता और सत्ता के बीच सूचना का पुल बनते हैं

इसलिए अगली बार जब किसी आंदोलन की सफलता का उत्सव मनाइए, तो मंच पर खड़े चेहरों के साथ एक बार उन गुमनाम पत्रकारों को भी याद कीजिए, जिनकी वजह से वह आंदोलन देश के हर मोबाइल स्क्रीन तक पहुँचा। फिर चाहे वह आपके किसी शहर का एक स्थनीय समाचार पत्र पत्रिका का पत्रकार ही क्यों न हो! क्योंकि किसी भी आंदोलन की सबसे पहली जीत सड़क पर नहीं, सूचना में होती है। और सूचना का पहला प्रहरी पत्रकार होता है।

शायद इतिहास को अब अपनी एक पुरानी गलती सुधारनी चाहिए। उसे केवल यह नहीं लिखना चाहिए कि किसने भाषण दिया। उसे यह भी लिखना चाहिए कि किसने पहली बार उस भाषण को देश तक पहुँचाया। उसे केवल यह नहीं लिखना चाहिए कि किसने आंदोलन का नेतृत्व किया। उसे यह भी लिखना चाहिए कि किसने उस आंदोलन को गुमनामी से निकालकर राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाया।

क्योंकि लोकतंत्र में कई बार सबसे बड़ा योद्धा वह नहीं होता जो मंच पर दिखाई देता है

सबसे बड़ा योद्धा वह होता है जिसकी तस्वीर कभी छपती ही नहीं।

और जिस दिन भारत अपने उन गुमनाम पत्रकारों को पहचानना सीख जाएगा, उसी दिन शायद लोकतंत्र भी अपने सबसे ईमानदार सिपाहियों को उनका वास्तविक सम्मान दे पाएगा।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -ःमो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

जैसी जिंदगी, वैसी तस्वीर

एक बार मुंशी प्रेमचंद जी अपनी पत्नी के साथ स्टूडियो पहुंचे। उनका साहित्य में इतना बड़ा नाम, लेकिन पहनावा वही साधारण धोती और कुर्ता था। जब वे कैमरे के सामने बैठे तो फ़ोटोग्राफ़र की नज़र उनके जूते पर पड़ी। जूता आगे से फटा हुआ था। बाएं पैर की उंगली साफ दिखाई दे रही थी। फ़ोटोग्राफ़र ने कहा, 'धोती थोड़ा नीचे कर लीजिए, जूता छिप जाएगा।'

प्रेमचंद जी मुस्कुराए। फिर बोले, 'जैसी जिंदगी है, वैसी ही तस्वीर में भी आनी चाहिए। छिपाना कैसा?' और तस्वीर वैसे ही खिंची। फटा जूता छिप सकता था, लेकिन प्रेमचंद का व्यक्तित्व नहीं।

मुठभेड़ में शातिर बदमाश रानू उर्फ सुहेल को लगी गोली, किया गया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 7 अगस्त 2026 की रात्रि थाना क्षेत्र साढ़ के ग्राम देवसढ़ में एक महिला के घर में दो बदमाशों द्वारा घर में घुसकर लूटपाट की गई थी। लूटपाट के बाद बदमाशों द्वारा किसी ठोस वस्तु से प्रहार कर उनकी हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में थाना स्थानीय पर लूट एवं हत्या की धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना में दो अभियुक्त शामिल थे, जिनमें से एक अभियुक्त को पुलिस द्वारा पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

घटना का मुख्य अभियुक्त रानू उर्फ सुहेल, जो ग्राम देवसढ़ का ही रहने वाला है, घटना के बाद से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही थीं।

आज लगभग 03¬00 बजे सूचना प्राप्त हुई कि अभियुक्त रानू उर्फ सुहेल क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी साढ़ एवं आसपास के थानों की पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया। इसी क्रम में कुंदौली मोड़ के पास पुलिस टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी। तभी एक बाइक पर सवार व्यक्ति दिखाई दिया, जिसे पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया।

बाइक सवार द्वारा रुकने के बजाय पुलिस पार्टी पर जानलेवा फायरिंग की गई और मौके से भागने का प्रयास किया गया।

पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें अभियुक्त के दोनों पैरों में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। पुलिस द्वारा मानवाधिकार संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए तत्काल घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया, इस कार्रवाई में एडीसीपी दक्षिण, एसीपी घाटमपुर, थाना प्रभारी साढ़ एवं आसपास के थानों की पुलिस टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस कार्रवाई के साथ उक्त सनसनीखेज लूट एवं हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए थाना टीम को ?25,000 का पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त रानू उर्फ सुहेल पर पूर्व से ?25,000 का पुरस्कार घोषित था। अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

फिक्की फ्लो द्वारा वित्तीय साक्षरता मास्टरक्लास एवं पुस्तक लॉन्च का आयोजन

बेटियों को राजकुमारियों की तरह नहीं, योद्धाओं की तरह तैयार करे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेटियों को राजकुमारियों की तरह नहीं, योद्धाओं की तरह तैयार करें÷ की मूल भावना को रेखांकित करते हुए, फ्लो कानपुर अपने सदस्यों के लिए एक विशेष एवं संवादात्मक वित्तीय साक्षरता सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का संचालन निवेशक, अर्थशास्त्री एवं लेखिका डॉक्टर आरती गुप्ता ने किया।

संचालन शीना गुप्ता ने किया। चर्चा में महिलाओं को केवल बचत और घरेलू वित्त प्रबंधन तक सीमित न रहकर निवेश, परिसंपत्ति आवंटन और परिवार से जुड़े वित्तीय निर्णयों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।सत्र के दौरान वित्तीय प्रेम और सुरक्षा देने वाले प्रेम में अंतर, Lifestyle Inflation, आभूषण को निवेश के रूप में देखना, सोने और स्न्नद्ब×द्गस्र Deposits से आगे निवेश में विविधता लाना, तथा Boomers, Millennials और त्वद्गठ्ठ ं की अलग-अलग वित्तीय यात्राओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

सत्र का एक प्रमुख संदेश यह था कि घरों में मौजूद सांस्कृतिक सोच में बदलाव लाया जाए, ताकि महिलाओं को वित्तीय निर्णयों की मेज पर समान स्थान मिल सके। इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि हमने कानूनी लड़ाई तो जीत ली है, लेकिन सांस्कृतिक लड़ाई अभी जीतना बाकी है।कार्यक्रम का समापन Audience Q&A, Dr. Gupta के साथ एक Rapid-Fire Interaction, Senior Vice Chairperson Ms. Sushma Singh द्वारा Vote of Thanks तथा एक विशेष Book Signing के साथ हुआ।

जनता दर्शन में पहुंचा दिव्यांग युवक, डीएम की पहल पर मिला तीन माह का बकाया वेतन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गैस एजेंसी में तीन माह तक काम करने के बाद भी वेतन नहीं मिलने से परेशान दिव्यांग युवा को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की पहल पर उसका पूरा बकाया भुगतान मिल गया। भुगतान मिलने के बाद युवक ने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नर्वल तहसील के बोहार गांव निवासी दिव्यांग जीतू ने जनता दर्शन में जिलाधिकारी से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई थी। उसने बताया कि उसने साढ़ क्षेत्र स्थित कृष्णा एचपी गैस एजेंसी में तीन माह तक काम किया था। नौकरी पर रखते समय एजेंसी संचालक ने प्रतिमाह 10 हजार रुपये वेतन देने की बात कही थी, लेकिन बाद में सात हजार रुपये प्रतिमाह की दर से भुगतान करने की बात कहकर उसका वेतन रोक दिया गया।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग युवक की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला पूर्ति अधिकारी अंजनी कुमार सिंह को तत्काल प्रकरण का समाधान कराने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी ने गैस एजेंसी संचालक से वार्ता कर दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कराई। इसके बाद एजेंसी की ओर से जीतू को उसके तीन माह के बकाया वेतन का पूरा भुगतान करा दिया गया।

बकाया वेतन मिलने के बाद जीतू ने कहा कि वह अपनी मेहनत की कमाई के लिए लगातार परेशान था। जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से उसकी समस्या का त्वरित समाधान हो गया। उसने सहायता के लिए डीएम का आभार व्यक्त किया।

सिल्ट की समस्या से जनता परेशान

व्यापारी नेता ज्ञानेश मिश्रा को दिया सिल्ट हटाने का आश्वासन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। यशोदा नगर से हमीरपुर रोड तक जाने वाली सड़क पर सीएम ग्रिड का काम चल रहा है। गड्ढा व जलभराव को भरने के लिए नाले की सिल्ट उठाकर डाली जा रही है। वहां के रहने वाले निवासी इसका विरोध कर रहे हैं।व्यापारी नेता ज्ञानेश मिश्र ने इस कार्य को देखने वाले अभियंता व प्रभारी अंबरीश सिंह से बात की और विरोध दर्ज कराया और साथ में यह भी कहा कि लोग इसकी बदबू से बीमार होंगे। इसको कतई न डाला जाए तो उन्होंने बताया, हम डालेंगे इसको फिर हटा लेंगे।

डीएम से शिकायत, महापौर प्रमिला पांडे को भी सौंपा ज्ञापन निर्माण रोकने की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नरोना चौराहे पर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा के सामने कानपुर मेट्रो द्वारा कराए जा रहे निर्माण को लेकर कांग्रेसजनों में भारी नाराजगी है। प्रतिमा के सामने निर्माण से प्रतिमा का दृश्य प्रभावित हो रहा है, जिसे कांग्रेस ने अनुचित और भावनाओं को आहत करने वाला कदम बताया है।इस मामले को लेकर आज कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता एवं पूर्व अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री ने पहले जिलाधिकारी कानपुर से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई और निर्माण रोकने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सार्वजनिक स्थल पर स्थापित देश की पूर्व प्रधानमंत्री और आयरन लेडी स्व. इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा के सामने इस प्रकार का निर्माण किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एडीएम सिटी को प्रकरण का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए।पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री ने भी कहा कि इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा शहर की महत्वपूर्ण पहचान है और उसके सामने ऐसा निर्माण किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशासन और संबंधित विभाग को तत्काल मौके का निरीक्षण कर उचित समाधान निकालना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने उम्मीद जताई कि जिलाधिकारी, एडीएम सिटी, महापौर और संबंधित विभाग इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए निर्माण रुकवाएंगे और इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा की गरिमा एवं सम्मान को अक्षुण्ण रखा जाएगा।

सीएसए के विद्यार्थियों ने एचपीवी एवं सर्वाइकल कैंसर के प्रति किया लोगों को जागरूक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित आनंदी माँएक जीवन बचाओ अभियान (कैंसर मुक्त भारत यात्रा) 2026-27÷ के अंतर्गत एचपीवी जागरूकता सेमिनार एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय लोगों को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, एचपीवी टीकाकरण तथा समय पर स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्थानीय लोगों के बीच नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक, स्लोगन, पोस्टर एवं लेखन के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर के कारणों,

लक्षणों, बचाव के उपायों तथा एचपीवी वैक्सीन के महत्व को सरल एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया । इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से स्थानीय लोगों को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया । कार्यक्रम का आयोजन डॉ.संघमित्रा महापात्रा, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं एसोसिएट प्रोफेसर, विभाग विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के मार्गदर्शन एवं समन्वय में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों को विशेष रूप से एचपीवी संक्रमण से बचाव, सर्वाइकल कैंसर की प्रारंभिक पहचान, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा–जागरूक बनें, एचपीवी से बचें और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में सहभागी बनें।

16 रुपये में जींस-शर्ट की खबर और उमड़ पड़ी हजारों की भीड़! कानपुर के आलम मार्केट में लाठीचार्ज

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। सिर्फ 16 रुपये में जींस, शर्ट, टी-शर्ट और ब्लेजर मिलने की खबर ने कानपुर के बांसमंडी स्थित आलम मार्केट में ऐसा हंगामा खड़ा कर दिया कि पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए दावे के मुताबिक, दुकान मालिक के जन्मदिन के मौके पर 16 अगस्त को सिर्फ 16 मिनट के लिए 16 रुपये की सेल लगाई जानी थी। बेहद कम कीमत और सीमित समय की इस घोषणा ने लोगों को इस कदर आकर्षित किया कि देखते ही देखते बाजार में हजारों की भीड़ जमा हो गई।बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर तेजी से एक ऑफर वायरल हुआ, जिसमें जींस, शर्ट, टी-शर्ट और ब्लेजर समेत कई फैशन गारमेंट्स महज 16 रुपये में मिलने की बात कही गई थी।ऑफर की सबसे बड़ी खासियत थी इसकी कीमत और समय सीमा–सिर्फ 16 रुपये और सिर्फ 16 मिनट। दावा किया गया कि यह सेल दुकान मालिक के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित की जा रही है।जैसे ही यह खबर फैली, बड़ी संख्या में लोग आलम मार्केट पहुंचने लगे। महिलाओं समेत हजारों लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ ही देर में बाजार में आवाजाही तक मुश्किल हो गई।16 रुपये में कपड़े मिलने और सेल के महज 16 मिनट तक चलने की बात ने लोगों में खरीदारी की होड़ पैदा कर दी। हर कोई जल्द से जल्द बाजार पहुंचकर सामान लेने की कोशिश में जुट गया।सीमित समय और बेहद कम कीमत वाले ऑफर के कारण भीड़ लगातार बढ़ती गई। हालात ऐसे हो गए कि बाजार में लोगों के आने-जाने तक की जगह नहीं बची और अफरा-तफरी जैसी स्थिति बनने लगी।स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद अनवरगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले माइक के जरिए लोगों से वहां से हटने और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

लेकिन भीड़ हटने को तैयार नहीं हुई। इसके बाद पुलिस ने सख्ती की और हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। कार्रवाई के बाद मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग इधर-उधर भागते नजर आए।मौके पर बने हालात को रिकॉर्ड करने के लिए पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी भी कराई। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि 16 रुपये में 16 मिनट वाली सेल की वास्तविक शर्तें क्या थीं और इतनी बड़ी संख्या में लोग वहां कैसे जुटे।

रिश्ते में न पड़े गांठ, विवाह से पहले मिलेगा लोगों को संवाद का मंत्र

डीएम ने वन स्टॉप सेंटर में किया 'तेरे मेरे सपने' केंद्र का शुभारंभ

» भावी युगलों को सफल वैवाहिक जीवन के लिए मिलेगा विशेषज्ञ परामर्श

» फैमिली कोर्टों में 15 हजार से अधिक पारिवारिक वाद विचाराधीन, अधिकांश तलाक से जुड़े

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विवाह के बाद छोटी-छोटी असहमतियां संवाद के अभाव में गंभीर पारिवारिक विवाद का रूप न लें, इसके लिए अब भावी युगलों को शादी से पहले ही बेहतर वैवाहिक जीवन की समझ दी जाएगी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को गोल चौराहे के निकट स्थित वन स्टॉप सेंटर में राष्ट्रीय महिला आयोग की पहल पर स्थापित 'तेरे मेरे सपने' प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का शुभारंभ किया।

इस केंद्र पर जिन युवक-युवतियों का विवाह तय हो चुका है अथवा जो विवाह करने जा रहे हैं, वे काउंसलिंग कराकर सफल वैवाहिक जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के संबंध में विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे।

हाल के वर्षों में विवाह के शुरुआती दौर में ही पति-पत्नी के बीच मतभेद और अलगाव के मामले सामने आ रहे हैं। कई बार संवाद की कमी, एक-दूसरे से अलग अपेक्षाएं, आर्थिक विषयों पर असहमति और पारिवारिक परिस्थितियों को न समझ पाने के कारण छोटी असहमति गंभीर विवाद में बदल जाती है। विवाह से पहले भावी दंपती के बीच स्पष्ट और सकारात्मक संवाद मजबूत वैवाहिक जीवन की नींव बन सकता है।

पारिवारिक विवादों की बढ़ती संख्या भी विवाह पूर्व संवाद और परामर्श की आवश्यकता को रेखांकित करती है। जनपद की फैमिली कोर्टों में वर्तमान में 15 हजार से अधिक पारिवारिक वाद विचाराधीन हैं। इनमें अधिकांश मामले वैवाहिक विवाद और तलाक से संबंधित हैं।

'तेरे मेरे सपने' केंद्र के माध्यम से भावी युगलों को विवाह से जुड़ी वास्तविक जिम्मेदारियों और संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा।जिलाधिकारी ने कहा कि विवाह जीवन का महत्वपूर्ण निर्णय है। सफल वैवाहिक जीवन के लिए भावी दंपती के बीच आपसी संवाद, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारियों की स्पष्ट समझ आवश्यक है।

कई बार छोटी असहमतियां समय पर संवाद और उचित मार्गदर्शन के अभाव में गंभीर विवाद का रूप ले लेती हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की 'तेरे मेरे सपने' पहल भावी युगलों को विवाह से पहले बेहतर संवाद और सामंजस्य की समझ देने का महत्वपूर्ण प्रयास है

।उन्होंने बताया कि केंद्र पर प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को पूरी तरह निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। काउंसलिंग के दौरान साझा की गई व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखी जाएगी और संबंधित युगलों की निजता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

काउंसलिंग का उद्देश्य किसी रिश्ते के संबंध में निर्णय देना नहीं, बल्कि भावी दंपती को समझदारी, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ वैवाहिक जीवन प्रारंभ करने के लिए तैयार करना है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की यह पहल वैवाहिक विवाद उत्पन्न होने के बाद समाधान तलाशने के बजाय विवाह से पहले ही

युवक-युवतियों को संवाद, सामंजस्य और जिम्मेदारियों की समझ देने पर केंद्रित है।केंद्र के शुभारंभ के अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इन विषयों पर मिलेगा मार्गदर्शन

केंद्र पर भावी युगलों को आपसी संवाद, परस्पर सम्मान, भावनात्मक समझ, आर्थिक नियोजन, परिवार के प्रति जिम्मेदारियों, विवाह के बाद बदलती भूमिकाओं, एक-दूसरे की अपेक्षाओं, मतभेदों के स्वस्थ समाधान तथा वैवाहिक अधिकारों एवं दायित्वों के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि असहमति की स्थिति में संवाद कैसे बनाए रखें और छोटी समस्याओं को गंभीर पारिवारिक विवाद का रूप लेने से कैसे रोकें।

सोमवार और शुक्रवार को निःशुल्क परामर्श

गोल चौराहे के निकट स्थित वन स्टॉप सेंटर में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को दिनभर भावी युगलों की पूरी तरह निःशुल्क काउंसलिंग की जाएगी। वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी बंदना द्विवेदी और एडवोकेट दिशा अरोड़ा परामर्श देंगी। काउंसलिंग के दौरान साझा की जाने वाली व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और संबंधित युगलों की निजता बरकरार रहेगी।

नाना राव पार्क में वीर जवानों के परिजनों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों का हुआ सम्मान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। फूलबाग स्थित नाना राव पार्क में आयोजित जनपद के मुख्य समारोह में प्रदेश की राज्यमंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग प्रतिभा शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' का सामूहिक गायन किया गया।

राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि देश की स्वतंत्रता असंख्य ज्ञात-अज्ञात क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता आंदोलन में कानपुर की धरती और यहां के वीरों का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। उन्होंने नागरिकों से कर्तव्यबोध के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का समर्थ, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कानपुर की धरती का स्वतंत्रता आंदोलन में गौरवशाली योगदान रहा है। स्वतंत्रता दिवस अमर बलिदानियों के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लेने का अवसर है।

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने नाना राव पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश की स्वतंत्रता और रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों को नमन किया।

स्वतंत्रता दिवस पर कानपुर प्रेस क्लब में किया गया ध्वजारोहण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 80 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कानपुर प्रेस क्लब में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

कानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष सरस बाजपेई व अन्य पदाधिकारी सहित मौजूद अन्य पत्रकार साथियों ने ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गीत गाया उसके बाद वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिठाई खिलाकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।

पटकापुर स्वच्छता समिति ने स्वतंत्रता दिवस पर फहराया तिरंगा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। देश की आजादी के 80वें पावन पर्व पर पटकापुर स्वच्छता समिति के द्वारा भव्यता पूर्वक ध्वजारोहण किया गया। मुख्य अतिथि आमोद त्रिपाठी ने ध्वजारोहण किया। पटकापुर में शान से फहराते तिरंगे पर सूर्य की किरणें पड़ी तो वहां मौजूद हर एक निवासी की आंखों में गर्वित उत्साहित देशभक्ति से सराबोर दिखाई दिए और गर्व से सीना चौड़ा हो गया।

आमोद त्रिपाठी ने तिरंगे की डोरी खींचकर तिरंगा फहराया। पुष्पों की पंखुड़ियां बिखरीं मानों आकाश से खुश होकर देवताओं द्वारा पुष्प वर्षा कर रहे हैं ध्वजारोहण के बाद समिति की सभी पदाधिकारी ने अपने-अपने विचार प्रकट किया बच्चों ने मनोरंजन प्रोग्राम प्रस्तुत किया और देश भक्ति कविताओं को सुना कर देश प्रेम ने हर किसी के दिल को छू लिया।

इस ऐतिहासिक और भावुक अक्षर वाले पल समिति के समस्त उपस्थित जन को भावुक कर दिया समिति के संरक्षक कमल चंद बाजपेई, अध्यक्ष अरुण कुमार अस्थाना, उपाध्यक्ष गीता पांडे, मंत्री पारसनाथ शुक्ला, मनीष अस्थाना,राजवर्धन मिश्रा, विनोद त्रिपाठी, राजेश निगम, विजय निगम, ओमप्रकाश गुप्ता, सिद्धार्थ अवस्थी, बाल जी पांडे, विक्की जायसवाल आदि मौजूद रहे।

भरभरा कर गिरा जर्जर धर्मशाला का छज्जा, मचा लोगों में हड़कंप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर में वर्तमान समय में पुराने क्षेत्रो में हजारों की संख्या में ऐसे जर्जर और पुराने मकान मौजूद हैं, जिनकी हालत बहुत ही खस्ता है। ये सभी मकान कभी भी किसी बड़ी घटना को दावत देते दिखाई देते हैं ।

हर वर्ष बारिश के सीजन में जर्जर भवनों के गिरने की घटनाएं सामने आती रहती है, जिसमें जान माल का नुकसान का भय लगातार बना रहता है, बावजूद इसके वर्ष दर वर्ष ऐसे ही बीतते चले जाते हैं, लेकिन इस ओर विभागीय अफसर का कोई भी ठोस कदम न उठाना उनके कार्य प्रणाली पर एक प्रश्न चिन्ह लगता है। यदि समय रहते ऐसे भवनों की एक लिस्ट तैयार करके उनको ठीक कराया जाए या उनके मालिकों को आदेश दिए जाएं की भवन के जर्जर वाला हिस्सा तत्काल ठीक कराए, ताकि किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न घट सके।थाना कोतवाली क्षेत्र में बंगाली

मोहल्ले, अरुण आटा चक्की के पास स्थित कई वर्ष पुराने जर्जर धर्मशाला का छज्जा हल्की बारिश के दौरान अचानक भरभराकर गिर गया। सकरी गली में हादसे से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जर्जर भवन को लेकर कई बार नगर निगम में शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है।

4 दिन पहले लगी पानी की टंकी गिरी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वार्ड 24 ब्लॉक 11 कृष्णा नगर में 12 अगस्त को पार्षद कोटे से लगाई गई पानी की टंकी खाली प्लाट में आज सुबह भरभरा कर गिर गई। जिससे सब्जी विक्रेता का ठेला टूट गया। सब्जी विक्रेता अब परेशान है कि वह आगे कैसे सब्जी बेचेगा।प्लाट मालिक ने सब्जी विक्रेता को देख रेख के लिए रखा था। इस वार्ड के पार्षद वेद प्रकाश छोटू है। अब देखना यह है

कि पार्षद वेद प्रकाश छोटू सब्जी विक्रेता के लिए क्या करते है।

शिक्षक की संदिग्ध मौत से हड़कंप, सड़क किनारे मिला शव

कन्नौज। कस्बे में शनिवार सुबह प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक का शव सड़क किनारे मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने कुछ लोगों पर धोखे से हस्ताक्षर कराकर लाखों रुपये का लोन कराने, वेतन हड़पने और आर्थिक धोखाधड़ी करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के फतेहपुर रामपुर मझिला गांव निवासी रोहित कुमार (46) पुत्र गेंदालाल सौरिख विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय पट्टी में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। शुक्रवार को विद्यालय में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह जमीन पर गिर पड़े। प्रधानाध्यापक यशवंत कुमार ने उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। उपचार के बाद अस्पताल पहुंचे एक युवक के साथ रोहित चले गए।शनिवार सुबह कस्बे के ऋषिभूमि इंटर कॉलेज के पास कुछ लोगों ने शिक्षक को सड़क किनारे बैठे देखा। कुछ ही देर बाद वह अचेत अवस्था में पड़े मिले। सुबह कार्यक्रम में पहुंचे शिक्षकों और राहगीरों ने जब उन्हें देखा तो मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिक्षक को अस्पताल पहुंचाया।

12 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

कानपुर। पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अभिनव तिवारी ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशन में एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्रेषित पत्र के क्रम में तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर की अध्यक्षता में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर, 2026 (द्वितीय शनिवार) को दीवानी न्यायालय परिसर, कानपुर नगर में किया जाएगा।राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, सिविल वाद, पारिवारिक वाद, बैंक ऋण वसूली वाद, एनआई एक्ट वाद तथा राजस्व से संबंधित अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन से पूर्व संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए 17 अगस्त, 2026, 24 अगस्त, 2026, 28 अगस्त, 2026 एवं 01 सितंबर, 2026 को प्री-ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। प्री-ट्रायल संबंधित वाद के न्यायालय में ही संपन्न होगा।वादी एवं प्रतिवादी अपने मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने के लिए निर्धारित तिथियों पर प्री-ट्रायल में उपस्थित होकर न्यायालय के समक्ष अपनी सहमति प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने वादकारियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में प्री-ट्रायल में उपस्थित होकर अपने मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराएं, जिससे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके।

करंट लगने से हुई बंदर की मौत लोगों ने किया अंतिम संस्कार

» वन विभाग ने कहा बंदर नही है उनकी लिस्ट में शामिल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। ककवन क्षेत्र में बुधवार की सुबह बिजली के तारों की चपेट में आ जाने से एक बंदर बुरी तरह झुलस गया, जिसकी कुछ देर बाद मौत हो गयी। जब लागो ने वन विभाग को सूचना दी तो वन विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि उनकी लिस्ट में बंदर शामिल नही है।

बुधवार की सुबह ककवन कस्बे में बिजली की तारों की चपेट में आये एक बंदर की बुरी तरह झुलसने के बाद मौत हो गयी। खबर फैलने के साथ ही ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गये। किसी ने वन विभाग को फोन कर सूचना दी, लेकिन वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा कहा गया कि बंदर उनकी सूची में नही है, इसलिए विभागीय कोई सहायता नही की जा सकती, जिसके बाद लोगो ने सनातनी आस्था के अनुरूप स्वयं ही बंदर का विधी-विधान से अंतिम संस्कार किया साथ ही रोष व्यक्त करते हुए ग्रामीणों ने कहा कि बिजली के तारों से लगातार उनकी सुरक्षा को भी खतरा बना रहता है।

सेफ्टी टैंक की सफाई के दौरान मृत व्यक्तियों के परिजनों को सौंपे 30-30 लाख रुपये के चेक

कानपुर। मा. उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, भारत सरकार, हरदीप सिंह गिल ने जनपद भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ सफाई कर्मचारियों के हितों, उनकी सुरक्षा तथा कल्याण से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर सफाई कार्य से जुड़े कार्मिकों की सुरक्षा एवं उनके हित में संचालित व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में दिशा राज्य स्तरीय समिति के सदस्य राजू वाल्मीकि, अपर जिलाधिकारी (नगर), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), महाप्रबंधक जल संस्थान तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सफाई कर्मचारियों के कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन तथा उन्हें शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने पर चर्चा की गई।इस अवसर पर कल्याणपुर क्षेत्र में स्थित गोवा गार्डन में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में कार्य करते हुए मृतक हुए स्वर्गीय श्री मोहम्मद आबिद व स्वर्गीय श्री मोहम्मद जावेद को मैन्युअल स्कैवेंजिंग अधिनियम 2013 के प्रावधानों के तहत प्रत्येक के परिजनों को 30-30 लाख रुपए की चेक व प्रमाण पत्र दिया गया।बैठक में मा. उपाध्यक्ष ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सफाई कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जोखिमपूर्ण कार्य है। ऐसे कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़े प्रावधानों का प्रभावी ढंग से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पात्र परिवारों को शासन की ओर से अनुमन्य सहायता एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

घरेलू कलह में बेटे सचिन पर पिता और चाचा द्वारा हमले का आरोप

» लिखित शिकायत पर दर्ज की गई रिपोर्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर थाना क्षेत्र में घरेलू कलह का विवाद कथित तौर पर मारपीट तक पहुंच गया। पीड़ित पक्ष के अनुसार, पिता मनोज, चाचा दिनेश व विनोद और उनके पुत्र अनमोल पर सचिन के साथ जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया है। जिसका प्राथमिक उपचार हैलेट अस्पताल में चल रहा है।

हमले में घायल सचिन का हैलेट अस्पताल में प्राथमिक उपचार चल रहा है। पीड़ित पक्ष की ओर से लिखित शिकायत दिए जाने के बाद पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के लिए उर्सला अस्पताल भेजा, जब उर्सला अस्पताल में इलाज नहीं हुआ तो हैलेट में इलाज के लिये भेजा गया।

हालांकि, पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उर्सला में उसका

घायल: सचिन

मेडिकल परीक्षण नहीं किया गया। अब मामला मारपीट के साथ-साथ ÷मेडिकल हुआ या नहीं हुआ÷ के सवाल पर भी अटक गया है। पुलिस की जांच के बाद ही आरोपों की पूरी तस्वीर साफ होगी।

घरेलू कलह का विवाद इतना बढ़ गया कि थाने की चौखट से लेकर अस्पताल तक पहुंच गया अब पुलिस उक्त प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुट गई है। फिलहाल घायल युवक सचिन की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर केस में क्या कार्रवाई की जायेगी, यह अभी कहा नही जा सकता।

पशु चिकित्सालय से नदारद अफसर, मायूस लौट रहे किसान

कानपुर। शिवराजपुर पशु चिकित्सालय में भारी भरकम ताला लटकता रहता है और कार्यालय से मुख्य चिकित्सक शिवराजपुर डा2 शरद वर्मा व अन्य कर्मचारी नदारद रहते हैं। कार्यालय मे भारी भरकम ताला लटकते देख दूर दराज गांवो से पैदल चलकर आये किसान मायूसी हांथ मे लेकर लौटने पर मजबूर हो रहे हैं।भाजपा सरकार के शासन व्यवस्था में अंधेर नगरी वाला अफसरो का मदमस्ती भरा अनोखा आलम सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़ा करता है। आखिर ऐसे चिकित्सको व कर्मियो पर कब कड़ी कार्यवाही की जाएगी। शिवराजपुर विकाश खंड के परिसर स्थित पशुचिकित्सालय के आफिस की अनोखे अंदाज भरी कुछ झलक का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले ,सुरक्षा एजेंसियां हुईं अलर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

» स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में दहशत का ई-मेल

» अज्ञात ई-मेल से हाई कोर्ट, आईजीआई एयरपोर्ट, लाल किला, मेट्रो, ट्रेनों और जिला अदालतों को उड़ाने की धमकी से हड़कंप

» खालिस्तान और 1984 के सिख विरोधी दंगों का भी जिक्र, सुरक्षा एजेंसियों ने कई स्थानों पर चलाया सघन तलाशी अभियान

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक अज्ञात ई-मेल के जरिये कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी में दिल्ली हाई कोर्ट, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, लाल किला, दिल्ली मेट्रो, रेलवे और जिला अदालतों को निशाना बनाने की बात कही गई। ई-मेल में खालिस्तान तथा 1984 के सिख विरोधी दंगों का भी उल्लेख किया गया। धमकी मिलने के बाद

दिल्ली पुलिस, दमकल, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गईं।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय को धमकी भरा ई-मेल मिला। संदेश में हाई कोर्ट में दोपहर 2=11 बजे विस्फोट किए जाने का दावा किया गया। इसके अलावा जिला अदालतों में दोपहर 3=11 बजे धमाके की बात कही गई। ई-मेल में लाल किले, दिल्ली मेट्रो और अंबाला से दिल्ली आने वाली ट्रेनों को भी निशाना बनाए जाने की धमकी दी गई।

धमकी की सूचना मिलते ही हाई कोर्ट परिसर और अन्य संबंधित स्थानों पर सुरक्षा प्रक्रिया सक्रिय कर दी गई। संवेदनशील इमारतों में तलाशी अभियान चलाया गया। बम डिटेक्शन टीम और डॉग स्क्वॉड को लगाया गया तथा संदिग्ध वस्तुओं की जांच की गई। अधिकारियों की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना रही कि किसी भी संभावित खतरे को नजरअंदाज न किया जाए।

दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारी कुणाल मल्होत्रा ने धमकी को प्रथम दृष्टया फर्जी प्रतीत होने की बात कही, लेकिन साथ ही स्पष्ट किया कि एहतियात के तौर पर सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। यह रुख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां किसी भी धमकी को तब तक हल्के में नहीं लेतीं,

जब तक परिसर और आसपास के क्षेत्रों की पूरी तरह जांच न हो जाए।

इसी बीच आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 समेत कुछ अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों को भी धमकी मिलने की खबर सामने आई। वहां सुरक्षा जांच बढ़ाई गई और प्रवेश-निकास पर निगरानी कड़ी की गई। आर्थिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाई कोर्ट और एयरपोर्ट को मिली धमकियों के बाद व्यापक जांच की गई और इन्हें बाद में फर्जी धमकी माना गया।राजधानी में पहले से ही स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी है। लाल किले पर 15 अगस्त को होने वाले राष्ट्रीय समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इसके मद्देनजर लाल किला, आसपास के क्षेत्र, प्रमुख बाजारों, मेट्रो स्टेशनों, रेलवे परिसरों और रणनीतिक स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रवेश मार्गों पर जांच, निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बढ़ाई गई है।सुरक्षा एजेंसियां अब धमकी भेजने वाले की पहचान और ई-मेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। ऐसे मामलों में ई-मेल के तकनीकी विवरण, प्रेषक की पहचान, इंटरनेट प्रोटोकॉल और अन्य डिजिटल सुरागों की जांच महत्वपूर्ण होती है। हालांकि, जांच पूरी होने से पहले धमकी के पीछे किसी संगठन या व्यक्ति की संलिप्तता को लेकर कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

राजधानी में स्वतंत्रता दिवस जैसे अति-संवेदनशील अवसर से ठीक पहले एक साथ कई स्थानों को निशाना बनाने वाली धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चुनौती बढ़ा दी है। फिलहाल राहत की बात यह है कि तलाशी अभियानों में किसी विस्फोटक की बरामदगी की पुष्टि नहीं हुई है और सामने आई धमकियों को फर्जी माना गया है। फिर भी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

ईमेल में अपराह्न दो बजकर 11 मिनट पर दिल्ली हाई कोर्ट में विस्फोट करने की बात कही

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट को शुक्रवार को बम से उड़ाने का धमकी भरा ईमेल मिला, जिससे परिसर में हड़कंप मच गया। यह धमकी स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक दिन पहले आई है। अदालत के सूत्रों के अनुसार, हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल दिल्ली पुलिस के संपर्क में हैं। सूत्रों ने बताया कि ईमेल में अपराह्न दो बजकर 11 मिनट पर दिल्ली हाई कोर्ट में विस्फोट करने की बात कही गई है।सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता और खोजी कुत्तों का दल हाई कोर्ट परिसर में तैनात किया गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी में हाई अलर्ट के बीच शुक्रवार को दिल्ली के कई सरकारी प्रतिष्ठानों को भी बम से उड़ाने के धमकी भरे ईमेल मिली ।जिसके बाद विभिन्न एजेंसियों ने गहन तलाशी और सुरक्षा जांच शुरू की।

स्वतंत्रता के समय नरेन्द्र मोदी पीएम होते तो भारत को नुकसान न होताः सीएम योगी

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि यदि भारत की आजादी के समय नरेन्द्र मोदी, भारत के प्रधानमंत्री रहे होते तो कोई भी भारत को नुकसान नहीं पहुंचा सका होता था। योगी ने यह भी कहा कि यदि सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसा व्यक्ति उस समय प्रधानमंत्री होता तो कोई भी भारत को खंडित नहीं कर पाता। मुख्यमंत्री ने देश के विभाजन और उस समय हुए नरसंहार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया।

विभाजन की विभीषिका (1947) पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ÷ये वही लोग हैं जो 1947 में हुए देश के विभाजन और इसके बाद हुए नरसंहार के लिए वास्तव में जिम्मेदार हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷यदि स्वतंत्रता के समय नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री रहे होते तो कोई भी भारत को जरा सा भी नुकसान नहीं पहुंचा पाता। इस देश को इन कांग्रेसियों की कायरता की भारी कीमत चुकानी पड़ी। यह चरित्र आप सभी ने सीएए विरोध के दौरान देखा।÷ कांग्रेस पर हमला करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ÷देश को 1947 में आजादी मिली।

मुझे आश्चर्य होता है कि जो जमीन पाकिस्तान समर्थकों ने नहीं मांगी.. पंजाब की जमीन या बंगाल की जमीन, पाकिस्तान को जबरदस्ती दे दी गई।÷ उन्होंने कहा कि सिंध एक हिंदू बाहुल और सिंधियों के दबदबे वाला क्षेत्र था जिसे जबरदस्ती पाकिस्तान को दे दिया गया। इसी तरह से पंजाबियों के प्रभुत्व वाला पंजाब भी दे दिया गया। बंगाल पर बंगालियों का प्रभुत्व था।

सभी हिंदू गांव जबरदस्ती बांग्लादेश को दे दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शर्मनाक हरकत कांग्रेस ने की जो सत्ता के लिए बेताब थी और जिस पर देश ने भरोसा किया था। इसने उस भरोसे का बदला धोखे से दिया।

आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि जो लोग 1947 में चुप रहे, जिनकी आवाज तब भी नहीं उठी, उनकी नजर सत्ता पर थी। उन्होंने देश की कीमत पर सत्ता हासिल करने की कोशिश की और आज भी उनके काम वैसे ही हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के संदर्भ में उन्होंने कहा, ÷आपने कुछ दिनों पहले बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले देखे।

तब भी यह पार्टी चुप रही। उन्हें भय है कि बांग्लादेश में इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने से यहां उनका वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। उनके लिए दलित हिंदुओं की हत्या कोई मायने नहीं रखती।

उनके लिए उनका वोट बैंक मायने रखता है।÷ मुख्यमंत्री ने कहा, ÷वे भविष्य में भी चुप बने रहेंगे क्योंकि उनकी प्राथमिकता, उनके निहित स्वार्थों के लिए सत्ता हासिल करना है। वे इस देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं जैसा कि वह पूर्व में कर चुके हैं। इसी इरादे से उन्होंने अराजकता फैलाई है।÷ इस अवसर पर, आदित्यनाथ ने कहा कि यह देश आपसी लड़ाई झगड़ों, जाति, धर्म और के आधार पर बंटवारे के कारण गुलाम बना।

देश के नाम राष्ट्रपति का संबोधनः द्रौपदी मुर्मू बोलीं- सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में सही कदम

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने सभी देशवासियों को स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने कहा कि अब से कुछ ही घंटों बाद हमारे देश की स्वतंत्रता के 80वें वर्ष का शुभारंभ होने जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। नागरिक राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें।

देश-विदेश में भारतीय मना रहे हैं उत्सव

राष्ट्रपति ने कहा कि देश और दुनिया भर में रहने वाले सभी भारतीय इस पावन अवसर को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम भारत के लोग अपने-अपने सपनों को साकार करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि भारत की निरंतर प्रगति और तरक्की में योगदान देना ही हमारी स्वतंत्रता की सच्ची सार्थकता है। देश के हर नागरिक का योगदान भारत

को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगा।

राष्ट्रपति ने देश के हर वर्ग के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए समर्पित वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवाओं में लगे डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी तथा मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान अपने-अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण का कार्य कर रहे हैं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है। देशवासी इस भावना को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं, जो हमारे लोकतंत्र की बड़ी उपलब्धि है।

द्वारका में बनेगा पांच सितारा होटल, 800 लोगों को मिलेगा रोजगार, एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत

नई दिल्ली। प्रस्तावित होटल डीडीए के द्वारका गोल्फ कोर्स के सामने होगा। यह 18 होल वाला गोल्फ कोर्स देश के सबसे लंबे गोल्फ कोर्स के रूप में विकसित किया गया है। ऐसे में होटल में गोल्फ खेलने आने वाले लोगों और देश-विदेश से आने वाले मेहमानों के ठहरने की सुविधा बढ़ेगी। द्वारका सेक्टर-23 में पांच सितारा होटल विकसित करने के लिए डीडीए और जुनिपर होटल्स लिमिटेड की सहायक कंपनी जुनिपर हॉस्पिटैलिटी एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता हुआ है। इस परियोजना में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश होगा। इससे करीब 800 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवाना कुमार की मौजूदगी में हुए समझौते पर जुनिपर होटल्स की ओर से कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अरुण के. सराफ और अध्यक्ष अमित सराफ ने हस्ताक्षर किए। डीडीए ने बताया कि होटल को लाइसेंस शुल्क आधारित व्यवस्था के तहत विकसित किया जाएगा। साइट जल्द ही कंपनी को सौंप दी जाएगी। होटल के 2030 तक शुरू होने की उम्मीद है।गोल्फ कोर्स और यशोभूमि के नजदीक होगा होटलप्रस्तावित होटल डीडीए के द्वारका गोल्फ कोर्स के सामने होगा। यह 18 होल वाला गोल्फ कोर्स देश के सबसे लंबे गोल्फ कोर्स के रूप में विकसित किया गया है। ऐसे में होटल में गोल्फ खेलने आने वाले लोगों और देश-विदेश से आने वाले मेहमानों के ठहरने की सुविधा बढ़ेगी।

एमपी के देवास में बीजेपी की तिरंगा यात्रा पर मधुमक्खियों का हमला, 40 कार्यकर्ता घायल

» बीपीएस न्यूज

मध्यप्रदेश। मध्यप्रदेश के देवास जिले में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शुक्रवार को निकाली जा रही तिरंगा यात्रा पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया जिससे करीब 40 पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए। भाजपा नेताओं ने यह जानकारी दी। घायलों में शामिल भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अतुल शर्मा ने बताया, तिरंगा यात्रा के साथ डीजे उपकरण लेकर जा रही गाड़ी एक पेड़ पर बने मधुमक्खी के छत्ते से टकरा गई, जिसके बाद सैकड़ों मधुमक्खियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया।हमारे 40 से 50 कार्यकर्ता उनके डंक घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल भाजपा कार्यकर्ता अलग-अलग अस्पतालों में पहुंचे। शर्मा ने बताया कि विजयागंज मंडी क्षेत्र में मोटसाइकिल से निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में 500 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।उन्होंने ताया,''मधुमक्खियों का हमला होते ही कई कार्यकर्ता सोयाबीन के खेत में छिप गए। उन्हें बाद में वहां से निकाला गया। महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय के डॉ. कमल किशोर के अनुसार मधुमक्खियों के हमले में घायल छह को अस्पताल लाया गया।

बिहार के शराब तस्कर सीतापुर में गिरफ्तार, मास्टरमाइंड की तलाश, पुलिस और टोल से बचने के लिए अपनाते थे नया तरीका

सीतापुर। कमलापुर पुलिस ने शराब तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बिहार के चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 139 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब और फर्जी नंबर प्लेट लगी वैगनआर कार बरामद करने का दावा किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी हरियाणा और चंडीगढ़ से शराब खरीदकर बिहार में ऊंचे दामों पर बेचते थे।

कमलापुर पुलिस ने इन तस्करों को कम्हरिया चौराहे के पास मानपुर रोड से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। क्षेत्राधिकारी सिधौली विशाल गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के सीतामढ़ी जिले के रंजीत कुमार, रतनेश कुमार सिंह, विक्की कुमार और अजय सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस ने इनके कब्जे से 139 बोतल अंग्रेजी शराब तथा तस्करी में प्रयुक्त फर्जी नंबर प्लेट लगी वैगनआर कार बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि बिहार में शराबबंदी का लाभ उठाकर वे हरियाणा और चंडीगढ़ से कम कीमत पर शराब खरीदते थे और बिहार के विभिन्न जिलों में ऊंचे दामों पर बेचते थे। पुलिस और टोल प्लाजा पर पहचान छिपाने के लिए वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया जाता था। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम एवं बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया है।

सीओ सिधौली विशाल गुप्त के मुताबिक तस्कर पुलिस और टोल प्लाजा की निगरानी से बचने के लिए वाहन पर कूटरचित नंबर प्लेट लगाते थे। इससे वाहन की वास्तविक पहचान छिपी रहती थी और पकड़ में आने की संभावना कम हो जाती थी। पुलिस को आशंका है कि गिरोह ने पूर्व में भी इसी तरीके से कई खेप बिहार पहुंचाई हैं।सीओ ने बताया कि पुलिस ने तस्करों के कब्जे से 10 बोतल पावरस्टार फाइन रम, 35 बोतल वजीर डीलक्स व्हिस्की और 94 बोतल पावरस्टार फाइन व्हिस्की बरामद की है। इसके अलावा फर्जी नंबर प्लेट लगी वैगनआर कार भी जब्त कर धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दी गई है।

कपड़े पहनकर बैठो, महिलाएं आ रही हैं, बनियान और शॉर्ट्स पहने आप विधायक का वीडियो देख भड़कीं दिल्ली की मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (क्क) के विधायक अनिल झा वत्स पर निशाना साधा। एक वायरल वीडियो में उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए दस्तावेज़ों पर साइन करते हुए सिर्फ़ अंडरगारमेंट्स (बनियान और शॉर्ट्स) में बैठे देखा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में, उत्तर-पश्चिम दिल्ली के किराड़ी से,क्क विधायक कुर्सी पर पालथी मारकर बैठे हैं। उन्होंने बनियान और शॉर्ट्स पहने हुए हैं और उनकी गोद में केसरिया रंग का कपड़ा रखा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो तब रिकॉर्ड किया गया था जब झा महिलाओं को आर्थिक मदद देने वाली दिल्ली सरकार की एक योजना के लिए लोगों के आवेदन फ़ॉर्म पर साइन कर रहे थे। वीडियो में झा की डेस्क के सामने महिलाओं समेत कई लोगों को लाइन में इंतज़ार करते हुए देखा जा सकता है।दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान इस वीडियो का ज़िक्र करते हुए रेखा गुप्ता ने विधायक के पहनावे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जन-प्रतिनिधियों को मर्यादा बनाए रखनी चाहिए, खासकर तब जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं से मिल रहे हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका व्यवहार शर्मनाक है।

चमोली टनल हादसा- दो दिन से गिर रहा था मलबा, परियोजना प्रबंधन ने किया अनदेखा, दहला देने वाला था मंजर, तस्वीरें

» बीपीएस न्यूज

गोपेश्वर(चमोली) विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में बृहस्पतिवार रात पानी और मलबा आने से हुए हादसे ने एक बार फिर परियोजना में श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब तीन किलोमीटर लंबी सुरंग में यह पहली दुर्घटना नहीं है। आठ महीने पहले दिसंबर 2025 में भी सुरंग के भीतर दो लोको ट्रॉली आपस में टकरा गई थीं।चमोली टनल हादसे के मंजर दिल दहला देने वाला था। अचानक सुरंग में करीब 150 मीटर दूर तेज आवाज के साथ भारी भूस्खलन हुआ और मलबा, पानी व पत्थर तेज गति से टनल के अंदर घुस आए। इसके धक्के से कई लोग दूर जा गिरे, जबकि कुछ लोग मलबे में दब गए। मलबे के धक्के से कुछ लोग टनल के बाहर की ओर आ गए।मजदूर बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। टनल में कई जगह से मलबा आने से ऑक्सीजन लेवल बेहद कम हो गया था। कुछ लोग दम घुटने के कारण मलबे में आगे चल नहीं पा रहे थे। जेसाल गांव के नीचे यहा हादसा हुआ। हैरानी के बात यह सामने आ रही है कि मलबा दो दिन से गिर रहा था, लेकिन परियोजना प्रबंधन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। चमोली जिले के मायापुर (पीपलकोटी) क्षेत्र में टीएचडीसी की निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीआरटी टनल में मलबा और पानी भरने के बाद राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र देहरादून के अनुसार करीब तीन किलोमीटर लंबी टनल के लगभग 1.50 किलोमीटर हिस्से में भूधंसाव के कारण मलबा और पानी आने से अंदर काम कर रहे लोग फंस गए थे।घटना में कुल 22 लोगों के फंसे होने की सूचना थी। इनमें से 12 घायलों को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया है, जबकि सात लोगों की मौत की सूचना है। तीन लापता लोगों की तलाश के लिए एसडीआरएफ समेत अन्य एजेंसियों का सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग के लिए टनल के अंदर गए छह बचावकर्मी भी सुरक्षित हैं। टनल के भीतर मलबा, पानी, सीमित स्थान और अन्य चुनौतियों के बीच रेस्क्यू विशेषज्ञ सावधानी और समन्वय के साथ सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। रेस्क्यू किए गए घायलों को अस्पताल भेजा गया है। इनमें 11 का उपचार जिला चिकित्सालय गोपेश्वर और एक घायल रोहित पाण्डे का उपचार बेस अस्पताल श्रीनगर में चल रहा है।सुनील दीवान (20), छत्तीसगढ़; हारबिल गुडिया (27), तपरा; निस्तर भिंगरा (24), झारखंड; विनोद रावना (46), झारखंड; दीना बेगरा (26), झारखंड; खेला राम बिसरा (22), झारखंड; सुबेग सिंह (45), पंजाब; तिलकराज, हिमाचल प्रदेश आदि रहे।

किदवई नगर उद्योग व्यापार मंडल का पदभार ग्रहण समारोह हुआ संपन्न

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। किदवई नगर उद्योग व्यापार मंडल के तत्वाधान में आम सभा व पदभार ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने पूर्व में घोषित किदवई नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष पद पर मार्बल मार्केट से अशोक शुक्ला के साथ मार्वल मार्केट से बालकृष्ण गुप्ता व किदवई नगर मुख्य बाजार से सुबोध पाण्डेय को महामंत्री, दवा कारोबारी समीर लांबा को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनयन की घोषणा की।

युवा इकाई के अध्यक्ष पद पर विनायक पोद्दार, वरिष्ठ महामंत्री के पद पर प्रखर श्रीवास्तव व कोषाध्यक्ष के पद पर अभिनव प्रताप सिंह का भी मनोनयन किया गया और तय हुआ कि युवा इकाई का विस्तार जल्द किया जाएगा।साथ ही किदवई नगर उद्योग व्यापार मंडल की मुख्य इकाई में जयकुमार शर्मा, आशुतोष दीक्षित, संजय गुप्ता, शरद मिश्र, प्रवीण कपूर, उदयप्रकाश त्रिपाठी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर, दीपक पांडेय व विवेक गुप्ता को संयुक्त महामंत्री और राजीव गुप्ता, योगेंद्र मिश्रा, अमित अग्निहोत्री, आशुतोष बंसल, अनिल मिश्रा, शिवा मिश्रा, आशु मेहरोत्रा को उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे व जिला वरिष्ठ महामंत्री मनीष गुप्ता सलोने ने नव मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन की जिला इकाई के सभी पदाधिकारी किदवई नगर के व्यापारियों की हर समस्या में आप सभी के साथ खड़े हैं। आवश्यकता पड़ने पर पूरी जिला इकाई खड़ी होगी।

समारोह में प्रमुख रूप से युवा ट्रांसपोर्ट एसो. के संरक्षक श्याम शुक्ल, भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के दक्षिण अध्यक्ष कमल त्रिपाठी, दक्षिण वरिष्ठ महामंत्री केके गुप्ता, दक्षिण वाइस चेयरमैन नीरज शुक्ला, जिला टास्क फोर्स संयोजक पवन गौड़, दक्षिण युवा अध्यक्ष अनुज त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

बाबा बड़े दयालू हैं ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू हैं
सभी कानपुर नगर वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स
(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)
हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरो पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते है।
24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मो0-9839625941)

श्याम मिल्क प्रोडक्ट डेयरी
हमारे यहाँ शुद्ध दूध, दही, पनीर, खोया, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध मिठाई उचित मूल्य पर उपलब्ध है।
राजू राजपूत
मो. 9839909008
पता- 51 द्विवेदी नगर, तौधकपुर रोड, समाधि पुलिया, नौबस्ता कानपुर

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर
महेंद्र पटेल प्रबंधक
माधुरी पटेल डायरेक्टर
पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046
पताः– प्लाट नं. 22 जरौली फेस–2 कानपुर नगर

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर
AKANA HOME DEVELOPERS
तुरन्त रजिस्ट्री तुरन्त कब्जा लें
बिना ब्याज के
अकाना होम डेवलपर्स
आवासीय प्लाट
हमारी साईट :
पाली, सेन पश्चिम पारा, मंझावन, नौबस्ता आवास विकास, रमईपुर, जाजमऊ गंगापुर
पता- 34, सुभाष कॉम्पलेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर
Mob. : 9005315389

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही चुनाव...
CARE-TEX® OUR MISSION IS PATIENT CARE
30 YEARS of EXCELLENCE
दर्द कम... जीवन खुशहाल...
आपके स्वस्थ जीवन का साथी
अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ
बेहतरीन क्वालिटी, टिकाऊ और आरामदायक, डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित, हर उम्र के लिए उपयोगी, वाजिब दाम, भरोसेमंद सेवा
अरुण कुमार अस्थाना जय अंबे ट्रेडर्स
Wrist Band (Thumb Support), Shoulder Immobilizer (Extra Support), Harsons ELECTRIC BACK REST, Lumbo Sacral Belt (Contour)
हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स
Knee Cap, Ankle Support, Elbow Support, Cervical Collar, Arm Sling, Wrist Support, Posture Belt, Finger Support
दर्द से राहत बेहतर समर्थन, उच्च गुणवत्ता, वाजिब दाम बेहतर सेवा, डॉक्टरों की पहली पसंद, 30 वर्षों का विश्वास
Caretex कार्यालय 19/174, पटकापुर, कानपुर
संपर्क करें 9936442547, 7705800400
आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex – मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य

Sahu Ji Maharaj Restaurant
Since:1992
राजसी ठाट देसी अंदाज़
638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)
M: 8303637506 9792526852

हो जायें सावधान : चाय-बिस्कुट बच्चों को देना आखिर कितना खतरनाक, 5 बीमारियों का बढ़ सकता है खतरा ?

कई घरों में सुबह की शुरुआत आमतौर पर चाय और बिस्कुट या हल्के स्नैक्स से होती है। जब घर के बड़े ऐसा करते हैं, तो बच्चे भी यही आदत अपना लेते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक यह आदत बच्चों के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं होती है। चाय और बिस्कुट से शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है। वहीं लंबे समय तक ऐसा नाश्ता करने से बच्चे के फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

वहीं बच्चे की इम्युनिटी भी कमजोर हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि बच्चे को हेल्दी नाश्ते का ऑप्शन दिया जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि चाय और बिस्कुट बच्चे के लिए अनहेल्दी क्यों है। साथ ही यह बच्चे की फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर कैसे बुरा असर डाल सकता है। सुबह का नाश्ता बच्चे के पूरे दिन की एनर्जी, ओवरऑल हेल्थ और दिमाग के काम के लिए बहुत जरूरी है। चाय-बिस्कुट में न के बराबर पोषण होता है। बिस्कुट ज्यादातर चीनी, मैदा और अनहेल्दी फैट से बना होता है। इनमें फाइबर, प्रोटीन, मिनरल्स और विटामिन जैसे पोषक तत्व न के बराबर पाए जाते हैं।

वहीं चाय में भी कोई खास पोषण नहीं होता है। चाय और बिस्कुट मिलकर 'खाली कैलोरी' देते हैं। जोकि पेट तो भरते हैं, लेकिन शरीर को जरूरी पोषण और ताकत नहीं देते हैं। इसी वजह से यह कॉम्बिनेशन बच्चों के लिए पूरी तरह से अनहेल्दी है।

चाय में टैनिन नामक तत्व पाया जाता है। जोकि शरीर में आयरन को सही तरीके से अवशोषित होने से रोकता है। अगर रोज सुबह बच्चा चाय पीता है, तो उनके शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। जोकि आगे चलकर एनीमिया का खतरा बढ़ सकता है। इससे बच्चे की इम्युनिटी और ग्रोथ दोनों पर निगेटिव असर पड़ सकता है।

बिस्कुट में चीनी अधिक होती है, जिससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है और फिर अचानक से गिर जाता है। इस उतार-चढ़ाव के कारण बच्चे चिड़चिड़े हो सकते हैं। बच्चे का ध्यान कम लगने की शिकायत भी हो सकती है। वहीं बच्चे का बार-बार कुछ अनहेल्दी खाने की इच्छा हो सकती है।बच्चों के लिए कैफीन वाली चाय सही नहीं होती है। यह उनकी नींद को खराब कर सकती है और बेचैनी को बढ़ा सकती है। इससे बच्चे की ध्यान लगाने की क्षमता और व्यवहार भी प्रभावित हो सकता है।चाय-बिस्कुट का कॉम्बिनेशन शरीर को ज्यादा देर तक एनर्जी नहीं देता है। थोड़ी देर में बच्चा फिर भूख महसूस करने लगता है। जिससे वह ज्यादा खाना खा सकते हैं। या फिर बार-बार अनहेल्दी स्नैक्स मांग सकते हैं।हर रोज चाय-बिस्कुट खाने से बच्चे के शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल पाता है। जिससे बच्चे के विकास पर असर पड़ता है। ऐसी आदत की वजह से बच्चे जल्दी थक जाते हैं और उनकी इम्युनिटी कमजोर हो सकती है। शरीर में पोषक तत्वों खासकर कैल्शियम और आयरन की कमी हो सकती है।ज्यादा चीनी या तला भुना नाश्ता देने से बच्चे का मोटापा बढ़ सकता है। वहीं बच्चे को दांत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।पोषण की कमी वाला नाश्ता बच्चे के दिमाग पर बुरा असर डाल सकता है। बच्चे को कॉन्स्ट्रेशन में समस्या होती है। याददाश्त कमजोर हो सकती है और शिक्षा के प्रदर्शन में भी गिरावट देखने को मिल सकती है।

माता-पिता को ध्यान रखना चाहिए कि आदत एकदम से नहीं छूटती है। इसलिए धीरे-धीरे चाय-बिस्कुट की जगह फल, दूध या हेल्दी नाश्ता देना शुरू करें।

बच्चे वही सीखते हैं, जो अपने पेरेंट्स को करते हुए देखते हैं। जब आप हेल्दी नाश्ता करेंगे, तो उसी आदत को बच्चा भी अपनाएगा।

तपती गर्मी में और थकान को कहें अलविदा, अब लें हेल्दी देशी एनर्जी ड्रिंक

तपती हुई धूप और बढ़ते तापमान के बीच बॉडी को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में बाजार में मिलने वाले मिलावटी सॉफ्ट ड्रिंक्स न पीने के बजाय नेचुरल चीजों से बनी हुई शरबात ही फायदेमंद साबित होते हैं। ये सेहत के लिए सबसे बेहतर माने जाते हैं, नेचुरल ड्रिंक में गुड़ का शरबत एक ऐसा ही समय के साथ परखा हुआ देसी ड्रिंक है। ये सिर्फ शरीर को ही नहीं ठंड़ा रखता है, बल्कि इसमें आयरन और कैल्शियम जैसे तत्व लू लगने से बचाते हैं। यह ड्रिंक उस लोगों के लिए बेहतरीन है, जो मीठे के शौकीन हैं लेकिन सेहत से समझौता नहीं करना चाहते हैं। आइए जानते हैं कि इस ड्रिंक को कैसे तैयार करना सबसे बेहतर तरीका माना जाता है।

» गुड़ का शरबत बनाने के लिए सामग्री

घर पर यह स्वादिष्ट गुड़ के शरबत बनाने के लिए जिन चीजों की जरूरत होती हैं, उस लिस्ट में सबसे पहले 3 से 4 टेबलस्पून कद्दूकस किया हुआ गुड़, 1 गिलास एकदम ठंडा पानी, आधा छोटा चम्मच नींबू का रस, एक चुटकी काला नमक, एक चौथाई चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर, ताजे पुदीने के पत्ते और जरूरत के अनुसार बर्फ के टुकड़ों की शामिल हैं।

» गुड़ को घोलने का तरीका

रेसिपी की शुरुआत करने के लिए सबसे पहले एक कटोरे जैसे बर्तन में पानी लें और उसमें कद्दूकस किया हुआ गुड़ डाल दें। गुड़ को पानी में अच्छी तरह घुलने के लिए कम से कम 5 से 10 मिनट का समय दें। इससे गुड़ का नेचुरल फ्लेवर पानी में अच्छी तर घुल जाता है।

» अशुद्धियां या बारीक कण को निकाल दें

जब गुड़ पानी में पूरी तरह से घुल जाए, तो एक बारीक छलनी की मदद से इस मिश्रण को दूसरे बर्तन में छान लें। ऐसा करने से गुड़ में मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियां या बारीक कण निकल जाते हैं और आपको एक साफ शरबत मिल जाता है।

» मसालों का सटीक तरह से मिलाएं

अब इस छने हुए गुड़ के पानी में नींबू का रस, काला नमक और भुना हुआ जीरा पाउडर मिला दें।

नींबू की खटास और काले नमक का स्वाद गुड़ की मिठास को बैलेंस करने का काम करता है, जिससे शरबत का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है।

» ताजगी का खास तड़का

अगर आप शरबत में और भी ज्यादा ताजगी चाहते हैं, तो इसमें पुदीने के पत्तों को हाथों से हल्का मसलकर डाल दें। पुदीने की खुशबू और गुड़ से बनी हुई ये ड्रिंक, एक अलग ही लेवल का तैयार होता है।

» परोसने का तरीका

लास्ट में एक सर्विंग गिलास लें और उसमें अपनी पसंद के अनुसार बर्फ के टुकड़े डालें। तैयार किए गए मिश्रण को गिलास में पलटें और ठंडा-ठंडा परोसें।

यह शरबत सिर्फ प्यास ही नहीं बुझाता है, बल्कि आपको दिन भर के फुर्तीला भी बनाकर रखता है।

जाजमऊ में 10-15 लाख की चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जाजमऊ में 10-15 लाख की चोरी का हुआ खुलासा, पुलिस ने 19 साल के पड़ोसी को गिरफ्तार कर हुआ सारा सामान बरामद किया।

वादी सोफिया के लखनऊ जाने के दौरान चोर ने छत की जाली तोड़कर और अलमारी का ताला तोड़कर लगभग 10-15 लाख रुपये के गहने और नकदी पार किए।

गहन जांच, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से बगल की इमारत में रहने वाले 19 वर्षीय ज़फ़र को गिरफ्तार किया गया।आरोपी ने अपनी बहन की आगामी शादी के लिए सोने के गहने जुटाने के मकसद से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सोने की अंगूठियां, कंगन, चैन, झुमके और चांदी के सिक्के आरोपी के घर से चोरी की नकदी में से 1,020 रुपये बरामद हुए हैं, बाकी रकम आरोपी ने अपनी बाइक ठीक कराने में खर्च कर दी थी।

पुलिस आयुक्त कार्यालय से हर घर तिरंगा यात्रा 2026 का किया गया शुभारंभ

कानपुर। पुलिस आयुक्त कार्यालय से हर घर तिरंगा यात्रा 2026 का शुभारंभ किया गया। हाथों में तिरंगा और दिल में देश के लिए सम्मान के साथ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा, अपर पुलिस आयुक्त संकल्प शर्मा, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय दिनेश त्रिपाठी, अपर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय स्नेहा तिवारी, अपर पुलिस उपायुक्त योगेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त अर्चना सिंह, आरआई पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि तिरंगा हमारे लिए सिर्फ एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे वीर जवानों के बलिदान, देश की एकता और करोड़ों भारतीयों के गौरव की पहचान है। इसी भावना के साथ पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से आमजन को भी इस राष्ट्रीय पर्व से जुड़ने और अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया ।

सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाया जाये:पुलिस उपायुक्त यातायात

» पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा विभिन्न स्थानों का किया गया स्थलीय निरीक्षण

» ई- रिक्शा, ई-ऑटो, टेम्पो चालक चौराहे से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर ही सवारी बैठायें व उतारें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना आरटीसी स्किम के अंतर्गत अमरुद मंडी तिराहा, गुरुदेव चौराहा, कल्याणपुर क्रासिंग, बिठूर कट तिराहा, इंद्रा नगर कट, पुरानी शिवली रोड व पनकी रोड का स्थलीय निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त द्वारा सड़क किनारे अस्थायी अतिक्रमण को हटवाते हुए मार्ग को अतिक्रमणमुक्त कराया गया तथा संबंधित को भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण न करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था, अवैध पार्किंग, ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन तथा चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया।

प्रमुख चौराहा/तिराहा से ई- रिक्शा, ई-ऑटो, टेम्पो आदि को कम से कम 100 मीटर की दूरी पर सवारी बैठाने व उतारने हेतु निर्देशित किया गया तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए एवं चौराहा/ तिराहा पर चिन्हित चोक पॉइंट्स की पहचान कर उनके कारकों को दूर किया जाए जिससे यात्रियों के मैक्सिमम ट्रैवल टाइम को घटाया जा सके।पुलिस उपायुक्त द्वारा बताया गया कि इस स्कीम का उद्देश्य शहरवासियों को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान टीआई जोन पश्चिम द्वितीय, रूट मार्शल व सेक्टर प्रभारी मौजूद रहें।

मादक पदार्थ तस्करों पर रावतपुर पुलिस का शिकंजा, 5.477 किलो गांजा बरामद

कानपुर। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल के निर्देश के अनुसार सूखे नशे पर अंकुश के तहत पश्चमी जोन डीसीपी/एसीपी के आदेश का पालन करते हुए मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश राय के नेतृत्व में पुलिस ने दो गाँजा तस्कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामा तालाब, मसवानपुर के पास चेकिंग के दौरान राजभान सिंह उर्फ शिवा तोमर (19) और पंकज कुमार (23) को पकड़ा।तलाशी में दोनों के कब्जे से कुल 5.477 किलो गांजा बरामद हुआ। हृष्ठक्कस् एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा गया।

देशभक्ति के रंग में रंगा नानाराव पेशवा स्मारक पार्क

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत गुरुवार को बिठूर स्थित नानाराव पेशवा स्मारक पार्क में तिरंगा कन्सर्ट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक की उपस्थिति में हुए कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को जीवंत किया।विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, वाद्य संगीत और नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा, देश की एकता-अखंडता और स्वतंत्रता आंदोलन के गौरवशाली इतिहास पर आधारित प्रस्तुतियों ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के उद्घोष से नानाराव पेशवा स्मारक पार्क गूंजता रहा।इस अवसर पर रंगोली एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज, स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रनायकों और देश की सांस्कृतिक विविधता से जुड़े भावों को रंगों के माध्यम से उकेरा। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं से स्वतंत्रता आंदोलन, अमर बलिदानियों, राष्ट्रीय प्रतीकों और देश के गौरवशाली इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में हर घर तिरंगा अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए लोगों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर सम्मान के साथ तिरंगा फहराने तथा अभियान में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया गया। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर सेनानियों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को स्वतंत्रता आंदोलन के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रनायकों के बलिदान से परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज प्रत्येक भारतीय के स्वाभिमान, एकता और अखंडता का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान जन-जन में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और सुदृढ़ करता है।

इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी संदीप कुमार, जिला उद्यान अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, पर्यटन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन

कानपुर। देशभक्ति एवं जन-जागरूकता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला कल्याण विभाग के हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहतें तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए तथा देशभक्ति गीत गाए।

रैली के माध्यम से बच्चों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को हर घर तिरंगा अभियान के उद्देश्य एवं महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा सभी को अपने घरों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने पूरे उत्साह एवं जोश के साथ सहभागिता की

स्वतंत्रता दिवस पर कानपुर जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित समारोह में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' का सामूहिक गायन किया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अमर बलिदानियों के संघर्ष और त्याग का स्मरण कराने के साथ अपने दायित्वों के ईमानदारी से निर्वहन की प्रेरणा देता है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दायित्व है कि वे संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।समारोह में एक वर्ष के भीतर सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर अपने बच्चों का समस्त निर्धारित टीकाकरण कराने वाले 10 अभिभावकों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को भी सम्मानित कर उनके परिवारों के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी और कलेक्ट्रेट कर्मचारी उपस्थित रहे।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर रिजर्व पुलिस लाइन में राष्ट्रीय ध्वज को दी गई सलामी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन, कानपुर नगर में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा ससम्मान राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई।

इस अवसर पर वर्षभर उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी गयी।

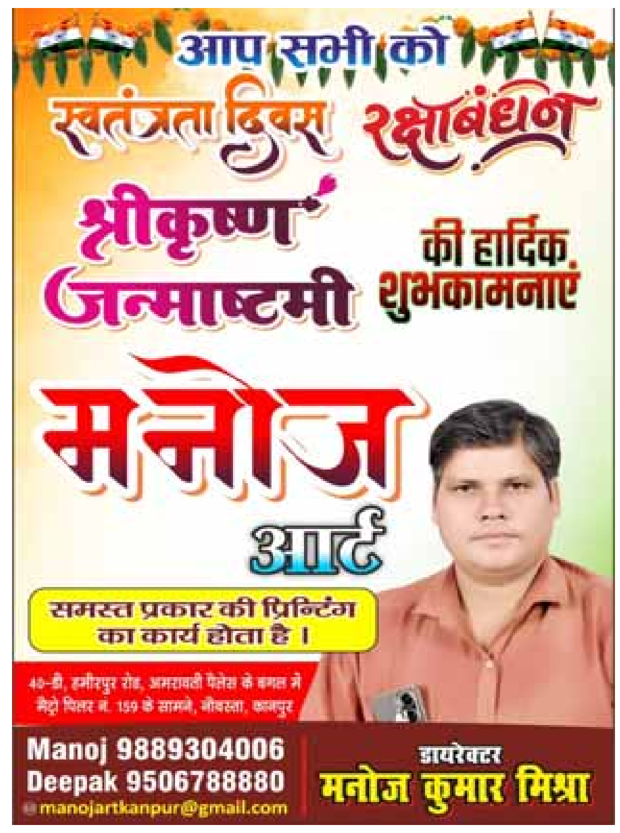

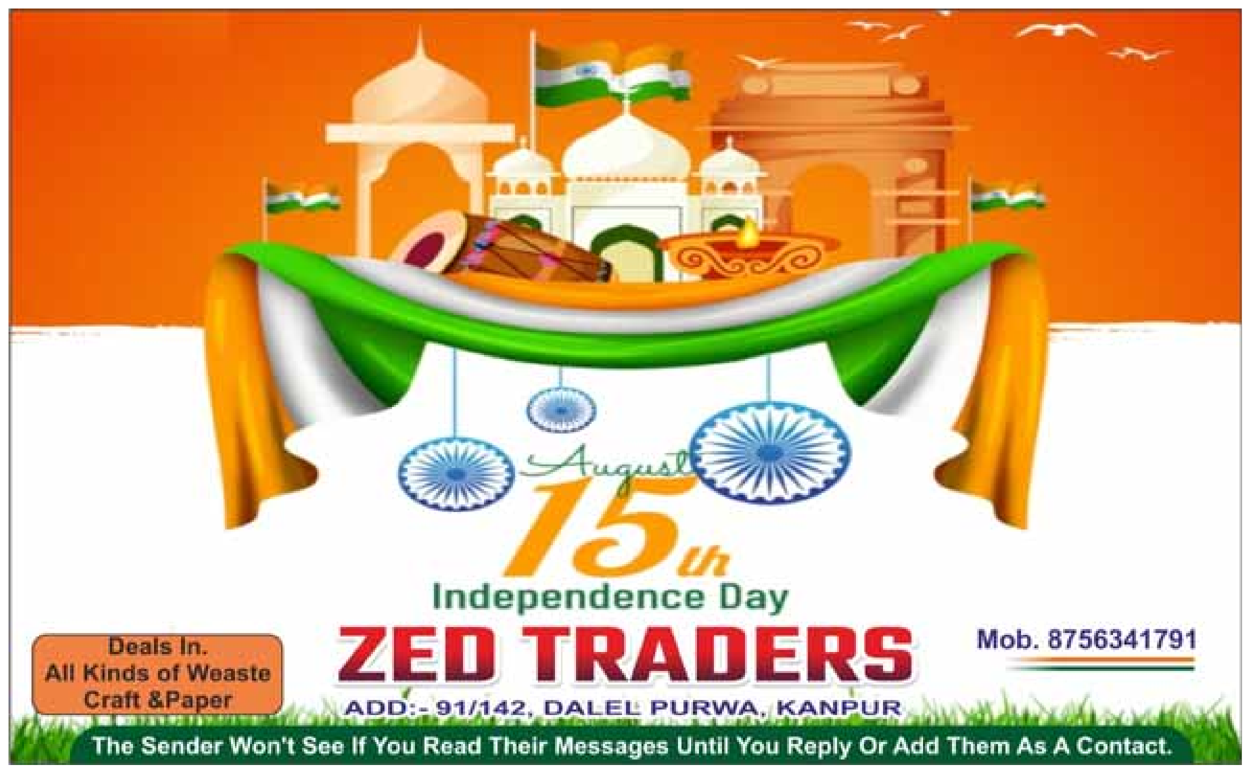

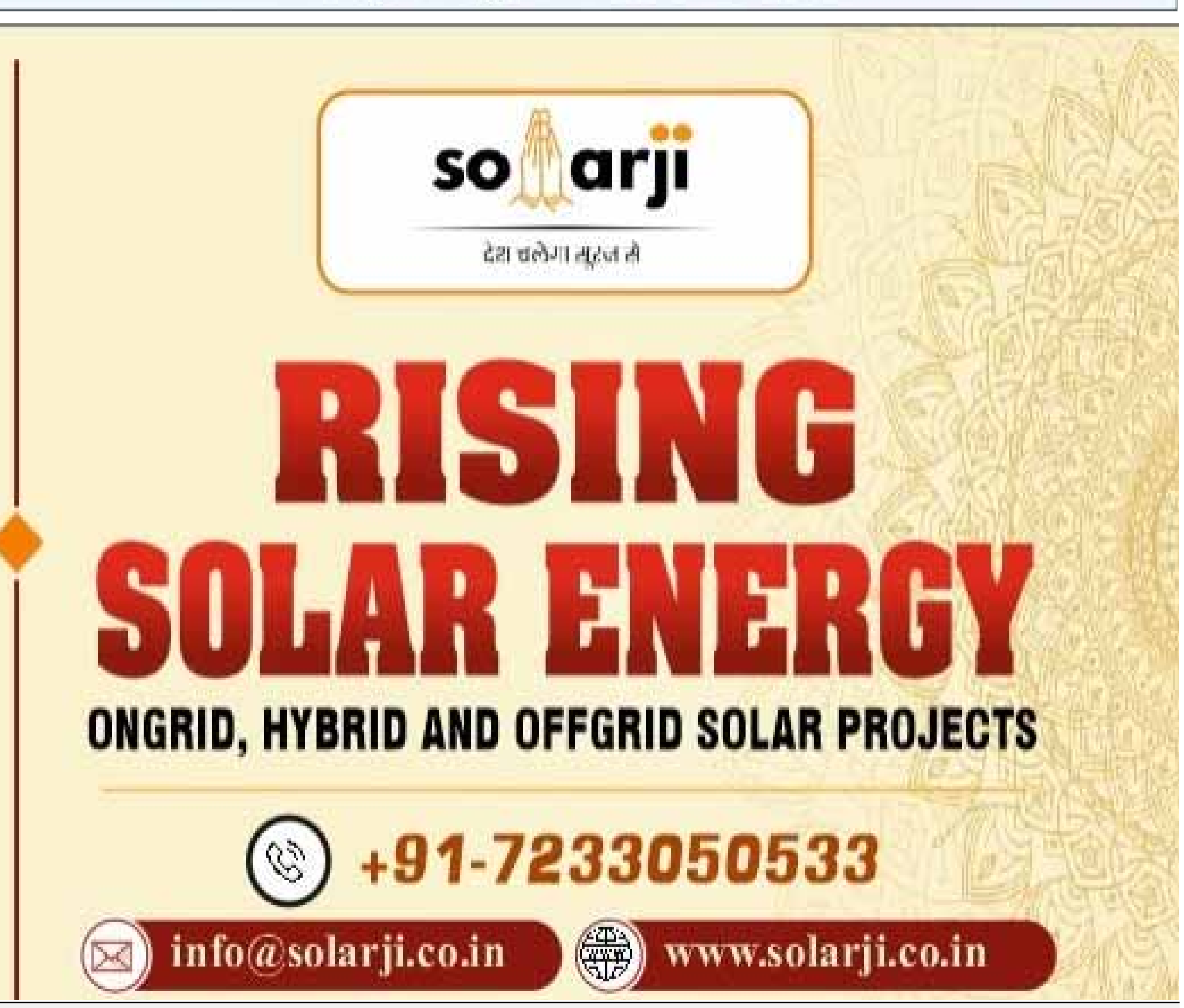

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा माँ प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।